संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 62
पृष्ठ 8
बुधवार
19 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दिल की सेहत के लिए अपनाएं....
विचार- बिहार परिणाम: राजनीति का नया ...
खेल- इडेन टेस्ट हार के बाद पिच विवाद...

गोरखपुर में सीएम योगी ने किया अत्याधुनिक फोरेंसिक लैब का किया उद्घाटन,बोले-

90 प्रतिशत से ज्यादा जांच गोरखपुर में ही होगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखपुर में एक नई और हाई–टेक फोरेंसिक लैब का उद्घाटन किया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी गेट के ठीक सामने बनी यह छह मंजिला प्रयोगशाला करीब 73 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुई है। पहले बी–ग्रेड रही यह लैब अब ए–ग्रेड में अपग्रेड हो चुकी है और पूर्वांचल ही नहीं, नेपाल बॉर्डर से जुड़े मामलों की जांच में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। इस लैब में मोबाइल, लैपटॉप, पेन ड्राइव, सीसीटीवी फुटेज और हर तरह के डिजिटल डिवाइस से डाटा रिकवर करने की सबसे आधुनिक सुविधा,साइबर क्राइम के लिए अलग डिविजन और वॉइस एनालिसिस (आवाज की वैज्ञानिक पहचान) की नई यूनिट,गोली, कारतूस, हथियारों की बैलिस्टिक जांच और विस्फोटकों का पूरा केमिकल एनालिसिस,वीडियो ऑथेंटिकेशन, एडिटिंग डिटेक्शन और स्पीकर आइडेंटिफिकेशन जैसी सुविधाएं अब लोकल स्तर पर उपलब्ध। खुलासा तेज होगा,पुलिस को बार–बार लखनऊ दौड़ने और इंतजार करने से छुटकारा मिलेगा, सरकार का समय, पैसा और संसाधनों की भी भारी बचत होगी। इस पूरी बिल्डिंग का निर्माण यूपी राज्य निर्माण निगम ने किया है। सोमवार को जोनल एडीजी मुथा अशोक जैन, डीएम दीपक मीणा और एसएसपी राजकरन नय्यर ने लैब का दौरा कर सारी तैयारियां परखीं। अधिकारियों ने बताया कि नई लैब शुरू होते ही पूर्वांचल के दर्जनों जिलों की पुलिस को तुरंत राहत महसूस होगी। पहले अधिकतर सैंपल लखनऊ भेजने पड़ते थे, जिसमें हफ्तों–महीनों लग जाते थे। अब 90प्रतिशत से ज्यादा जांच गोरखपुर में ही हो जाएगी। इससे, केस चार्जशीट की रफ्तार कई गुना बढ़ेगी, साइबर अपराध, मर्डर, बलात्कार, आतंकवाद और बॉर्डर क्राइम जैसे गंभीर मामलों का

गोरखपुर-मुंबई पैसेंजर ट्रेन में बम की सूचना से हड़कंप, भदोही स्टेशन पर चला सघन तलाशी अभियान

गोरखपुर। गोरखपुर से मुंबई जा रही गोरखपुर–एलटीटी एक्सप्रेस (15018) में मंगलवार को बम होने की सूचना मिलते ही अफरा–तफरी मच गई। रेलवे कंट्रोल रूम को लैंडलाइन फोन से एक कॉल आया, जिसमें दावा किया गया कि ट्रेन में बम रखा है। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय कर ट्रेन को भदोही रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। स्टेशन पहुंचते ही यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और प्लेटफॉर्म पर रोक दिया गया। इसके बाद आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस की टीमों ने कोच–दर–कोच विस्तृत तलाशी शुरू की। बोगियों, शौचालयों और लगेज एरिया तक की गहन जांच की गई। मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया।

भाजपा 'वोट चोरी' के लिए एसआईआर प्रक्रिया का कर रही दुरुपयोग : खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग का आचरण बेहद निराशाजनक रहा है और भाजपा वोट चोरी के लिए एसआईआर प्रक्रिया का हथियार बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मतदाता सूची की अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। एक्स पर एक पोस्ट में, खड़गे ने कहा कि पार्टी ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एआईसीसी महासचिवों, एआईसीसी प्रभारियों, पीसीसी, सीएलपी और एआईसीसी सचिवों के साथ एक व्यापक रणनीति समीक्षा की, जहाँ विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची की अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ऐसे समय में जब लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास पहले से ही कम हो रहा है, एसआईआर प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग का आचरण बेहद निराशाजनक रहा है। उन्होंने आगे कहा कि उसे तुरंत यह दिखाना होगा कि वह भाजपा की छत्रछाया में काम नहीं कर रहा है और उसे भारत की जनता के प्रति अपनी संवैधानिक शपथ और निष्ठा याद है, किसी सत्तारूढ़ दल के प्रति नहीं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि भाजपा वोट चोरी के लिए एसआईआर प्रक्रिया को हथियार बनाने की कोशिश कर रही है। और अगर चुनाव आयोग इस पर ध्यान नहीं देता है, तो यह विफलता केवल प्रशासनिक नहीं है – यह चुप्पी की मिलीभगत बन जाती है। खड़गे ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता, बीएलओ और जिला, शहर, ब्लॉक अध्यक्ष निरंतर सतर्क रहेंगे और असली मतदाताओं को हटाने या फर्जी मतदाताओं को शामिल करने की हर कोशिश का, चाहे वह कितनी भी सूक्ष्म क्यों न हो, पर्दाफाश करेंगे।

दिल्ली के दो कोर्ट और दो सीआरपीएफ स्कूलों को बम से उड़ाने की सूचना, जांच के बाद निकली फर्जी

नयी दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा संचालित दो स्कूलों में मंगलवार को बम रखे होने की सूचना दी गई जिसके बाद परिसरों की तलाशी ली गई लेकिन कुछ नहीं मिला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को कॉल कर दावा किया कि स्कूलों में विस्फोटक रखे गए हैं। सुबह करीब 9 बजे आई इस कॉल में चेतावनी दी गई कि प्रशांत विहार और द्वारका स्थित सीआरपीएफ स्कूलों में बम रखे गए हैं, जिसके बाद स्थानीय पुलिस, बम निरोधक दस्ते और दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीमों को तत्काल रवाना किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, फोन आने के बाद टीमें दोनों स्थानों पर पहुंच गईं और एहतियात के तौर पर स्कूल भवनों को खाली करा लिया गया। उन्होंने कहा कि यह सूचना देने के बाद कॉल करने वाले का फोन बंद हो गया तथा उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं। अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा, हमने दोनों स्कूलों की गहन जांच की और कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। धमकी को फर्जी घोषित कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस कॉल रिकॉर्ड और तकनीकी विवरण का विश्लेषण कर रही है ताकि कॉल करने वाले की पहचान की जा सके और फर्जी सूचना के मकसद का पता लगाया जा सके।

सऊदी में ही 42 उमराहों का होगा अंतिम संस्कार, तेलंगाना सरकार का ऐलान, दिए जाएंगे 5-5 लाख

हैदराबाद। सऊदी अरब में हुए दुखद बस हादसे में मारे गए श्रद्धालुओं के लगभग 50 परिजन अंतिम संस्कार के लिए यहां से खाड़ी देश के लिए रवाना होंगे। यह जानकारी तेलंगाना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को दी। अधिकारी ने 'न्यूज एजेंसी' को बताया कि अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार की एक टीम अंतिम संस्कार की व्यवस्था सहित राहत कार्यों में समन्वय करने के लिए सऊदी अरब पहुंच गई है। पहचान से परे जल चुके शवों को सुरक्षित रखा गया है। मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए डीएनए परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा, "सऊदी अरब जाने वाले परिजन से डीएनए नमूने का मिलान होने के बाद ही मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।" उन्होंने बताया कि तेलंगाना सरकार और यात्रा मुआवजे के अलावा, सऊदी सरकार भी मृतक के परिजन को मुआवजा दे सकती है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के लिए डीएनए मिलान बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार के राजस्व विभाग को भी परिवार के सदस्यों को संबंधित दस्तावेज जारी करने होंगे। अधिकारी ने बताया कि सामूहिक अंतिम संस्कार होने की संभावना है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, बस दुर्घटना में 42 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें से अधिकतर तेलंगाना के थे। हालांकि, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने सोमवार को मृतकों की संख्या 45 बताई। तेलंगाना सरकार ने मृतकों का अंतिम संस्कार सऊदी अरब में धार्मिक परंपराओं के अनुसार करने और मृतकों के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का सोमवार को फैसला किया।

द्रौपदी मुर्मु ने विजेताओं को दिये राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024,बोलीं-

हमारी परंपरा में नदियां, झीलें और अन्य जल स्रोत पूजनीय

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार और जल संचय–जन भागीदारी पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मानव सभ्यता की गाथा नदी घाटियों, समुद्र तटों और विभिन्न जल स्रोतों के आसपास बसे समूहों की कहानी है। उन्होंने कहा, हमारी परंपरा में नदियां, झीलें और अन्य जल स्रोत पूजनीय हैं। हमारे राष्ट्रीय गीत में बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा लिखा गया पहला शब्द सुजलम् है। इसका अर्थ है प्रचुर जल संसाधनों से धन्य। यह तथ्य हमारे देश के लिए जल की प्राथमिकता को दर्शाता है। राष्ट्रपति ने कहा, जल का कुशल उपयोग एक वैश्विक अनिवार्यता है। हमारे देश के लिए जल का कुशल उपयोग और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारी जनसंख्या की तुलना में हमारे जल संसाधन सीमित हैं। प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जलवायु परिवर्तन जल चक्र को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में सरकार और जनता को जल उपलब्धता और जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। राष्ट्रपति ने केंद्र और राज्य सरकारों, जिला प्रशासनों, ग्राम पंचायतों और नगर निकायों के ऐसे प्रयासों पर जल संरक्षण और उसके सुसंगत प्रबंधन को प्राथमिकता देने पर बल दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि जल का उपयोग करते समय, सभी को यह स्मरण करना चाहिए कि हम एक अत्यंत मूल्यवान संपत्ति का उपयोग कर रहे हैं। देखा जाये तो राष्ट्रीय जल पुरस्कार–2024 के वितरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का संबोधन केवल एक औपचारिक भाषण नहीं था, बल्कि भारत के जल–चिंतन, जल–प्रबंधन और जल–भविष्य की दिशा तय करने वाली एक गंभीर राष्ट्रीय टिप्पणी थी। राष्ट्रपति ने बताया कि पिछले वर्ष शुरू की गई जल–संचयदृजनभागीदारी (श्रेष्ठ) पहल के अंतर्गत 35 लाख से अधिक भूजल पुनर्भरण संरचनाएँ तैयार की जा चुकी हैं। यह एक ऐसा आँकड़ा है जो न सिर्फ सरकारी इच्छाशक्ति बल्कि सामुदायिक भागीदारी के बढ़ते प्रभाव को भी दर्शाता है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र असंतुलित हो रहा है, भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और मीठे पानी की उपलब्धता जनसंख्या वृद्धि के अनुपात में घटती जा रही है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा कि वैश्विक स्तर पर उपलब्ध मीठे जल का केवल एक प्रतिशत हिस्सा ही मानव उपयोग के योग्य है और इसके सक्षम प्रबंधन की आवश्यकता अब 'विकल्प' नहीं बल्कि 'अनिवार्यता' है।

मतदाता सूची एसआईआर प्रक्रिया हो समावेशी और सरल, कार्ति चिदंबरम ने उठाई आवाज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की बात कही। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के साथ–साथ मतदाता सूचियों की नियमित रूप से जाँच की जानी चाहिए। उन्होंने जनता में भ्रम की स्थिति से बचने के लिए इस प्रक्रिया को संभालने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि बेशक, मतदाता सूची की जाँच, पुनर्जाँच और संशोधन किया जाना चाहिए। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके और मतदान के पात्र लोगों के नाम भी इसमें जोड़े जाने चाहिए। यह एक समावेशी प्रक्रिया होनी चाहिए, न कि बहिष्कृत करने वाली। कार्ति चिदंबरम ने कहा कि प्रक्रिया सरल और पालन करने में आसान होनी चाहिए। और जो कर्मचारी इस प्रक्रिया को अंजाम दे रहे हैं, उन्हें अच्छी तरह प्रशिक्षित और पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस प्रक्रिया को लेकर मेरी शिकायत यह है कि इसके लिए दी गई समय–सीमा बहुत कम है, और तैनात कर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण या उचित जानकारी नहीं दी गई है।

दिल्ली ब्लास्ट का आरोपी बिलाल पटियाला हाउस कोर्ट में पेश, श्रीनगर से हुई थी गिरफ्तारी

नयी दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए भीषण कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को एक और आरोपी जसिर बिलाल वानी उर्फ दानिश को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरोपी को कोर्ट लाया गया। यह गिरफ्तारी एनआईए की जांच में बड़ी सफलता मानी जा रही है। जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर से गिरफ्तार जसिर बिलाल वानी को आतंकी साजिश में सक्रिय सह–साजिशकर्ता बताया जा रहा है। एनआईए के अनुसार, वानी ने आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी को तकनीकी सहायता प्रदान की थी। वह ड्रोन में बदलाव करने और रॉकेट बनाने की कोशिश में शामिल था, ताकि भविष्य में और बड़े हमले किए जा सकें। यह गिरफ्तारी पहले गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और तकनीकी सबूतों के आधार पर हुई है। एनआईए की टीमें पिछले कई दिनों से कश्मीर घाटी में छापेमारी और पूछताछ कर रही थीं। इससे एक दिन पहले सोमवार को एनआईए ने मुख्य आरोपी आमिर रशीद अली को भी पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था, जहां अदालत ने उसे 10 दिन की एनआईए रिमांड पर भेज दिया। दक्षिण कश्मीर के पंपोर निवासी आमिर रशीद अली पर आरोप है कि विस्फोट में इस्तेमाल हुंडई i20 कार उसके नाम पर रजिस्टर्ड थी। उसने आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी को दिल्ली में सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराया और लॉजिस्टिक सहायता दी। हमले से ठीक पहले आमिर ही वह आखिरी व्यक्ति था, जिससे उमर के संपर्क में था। कार खरीदने के लिए आमिर विशेष रूप से दिल्ली आया था और बाद में वही वाहन व्हीकल बोर्न आईईडी (वीबीआईईडी) के रूप में इस्तेमाल हुआ। एनआईए की रिमांड अर्जी में कहा गया कि आरोपी की हिरासत में पूछताछ से पूरी साजिश का पर्दाफाश होगा। एजेंसी ने अदालत को बताया कि विस्फोट जानबूझकर इस तरह डिजाइन किया गया था कि जनता में दहशत फैले और देश की एकता–अखंडता को खतरा पैदा हो।

नक्सलियों का सबसे बड़ा लीडर हिड़मा ढेर, 1 करोड़ का था इनामी, सुरक्षाबलों और नक्सलियों की मुठभेड़ में 6 नक्सली मारे गए

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में पिछले दो दशकों में हुए बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड, प्रतिबंधित माओवादी संगठन का सबसे खूंखार कमांडर माडवी हिड़मा मंगलवार को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में एक मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसे समय में हिड़मा का मारा जाना यहां माओवादी आतंक के ताबूत में आखिरी कील के रूप में देखा जा रहा है जब बस्तर क्षेत्र में माओवादी गतिविधियां कम होने लगी हैं। बस्तर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिड़मा और उसकी पत्नी राजे, आज सुबह पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले के मरेडुमिल्ली के जंगल में आंध्र प्रदेश के सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए छह नक्सलियों में शामिल हैं। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रायपुर में संवाददाताओं को बताया "हमें जानकारी मिली है कि आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ सीमा पर मारे गए माओवादी कार्यकर्ताओं में माओवादी नेता माडवी हिड़मा भी शामिल है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।" शर्मा राज्य का गृह विभाग भी संभालते हैं। सुकमा जिले के पूर्वती गांव के मूल निवासी हिड़मा की उम्र और रूप–रंग सुरक्षा एजेंसियों के बीच लंबे समय तक अटकलों का विषय रहे हैं। वह सिलसिला इस वर्ष की शुरुआत में उसकी तस्वीर सामने आने तक जारी रहा। हिड़मा ने कई वर्षों तक माओवादियों की पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन नंबर एक का नेतृत्व किया। यह बटालियन दंडकारण्य में माओवादी संगठन का सबसे मजबूत सैन्य दस्ता है। दंडकारण्य छत्तीसगढ़ के बस्तर के अलावा आंध्र प्रदेश, ओड़िसा, तेलंगाना और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में फैला हुआ है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हिड़मा को पिछले वर्ष माओवादियों की केंद्रीय समिति में पदोन्नत किया गया था। वह दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) का भी सदस्य रहा है, जिसने दक्षिण बस्तर में कई घातक हमलों को अंजाम दिया है। हिड़मा के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, वह 1990 के दशक के अंत में एक जमीनी स्तर के कार्यकर्ता के रूप में प्रतिबंधित संगठन में शामिल हुआ और 2010 में हुए ताड़मेटला हमले के बाद पहली बार सुरक्षा एजेंसियों की नजर में आया। इस हमले में 76 जवान मारे गए थे। उसने तब हमले को अंजाम देने में एक अन्य शीर्ष माओवादी कमांडर पापा राव की सहायता की थी। तब से बस्तर में सुरक्षाबलों पर हुए हर बड़े हमले के बाद हिड़मा का नाम बार–बार सामने आया। गुरिल्ला युद्ध में प्रशिक्षित, हिड़मा एके–47 राइफल रखने के लिए जाना जाता था। उसकी टुकड़ी में कई सौ जवान आधुनिक हथियारों से लैस थे। जंगलों के अंदर उसके चार–स्तरीय सुरक्षा घेरे के कारण कथित तौर पर वह वर्षों तक सुरक्षाबलों की पहुंच से दूर रहा। पुलिस के मुताबिक, पिछले दो वर्षों में तेज हुए नक्सल–विरोधी अभियानों ने उसके सुरक्षा घेरे को कमजोर कर दिया, जिससे उसे छत्तीसगढ़–तेलंगाना और छत्तीसगढ़–आंध्र प्रदेश सीमा पर स्थित जंगलों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षाबलों द्वारा निरंतर चलाए जा रहे अभियानों ने हिड़मा सहित वरिष्ठ नेताओं पर काफी दबाव डाला था। हिड़मा जिन बड़े नक्सली हमलों में शामिल था, उनमें 2013 में बस्तर के दरभा क्षेत्र का झीरम घाटी हमला भी शामिल है। इस हमले में महेंद्र कर्मा, नंद कुमार पटेल और विद्याचरण शुक्ल जैसे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मारे गए थे।

4 दिन में डिलीवरी बॉय ने की 2 शादियां

एक को शहर ले गया, दूसरी से गांव में शादी की, प्रयागराज में दोनों पत्नियां थाने पहुंचीं

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एक डिलीवरी बॉय ने 4 दिन में दो शादियां कीं। वह पहली शादी के अगले दिन ही पत्नी के साथ शहर चला गया। फिर वापस गांव आकर दूसरी शादी कर ली। एक साल तक नाटक चलता रहा। आरोपी के घरवाले भी उसका पूरा साथ देते रहे।

पहली पत्नी गांव पहुंची तो राहुल की पोल खुल गई। खुद को बचाने के लिए राहुल ने दोनों पत्नियों खुशबू और शिवांगी से किनारा कर लिया। कई दिनों तक मामला शांत नहीं हुआ तो दोनों पत्नियों ने साथ मिलकर कानूनी मदद लेने की ठानी।

पिछले हफ्ते दोनों एक साथ थाने पहुंचीं और पुलिस को पूरी बात बताई। पुलिस ने मामले की जांच की और रविवार रात थ्प्त दर्ज कर ली। छानबीन के बाद सोमवार को आरोपी पति को गिरफ्तार किया गया। मामले में आरोपी के घरवालों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। एसओ सरायइनायत संजय गुप्ता ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामला प्रयागराज में सरायइनायत थाना क्षेत्र के दलापुर गांव का है।

सरायइनायत के दलापुर गांव का रहने वाला राहुल उर्फ रामकृष्ण दुबे स्विगी में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है। गांव की रहने वाली खुशबू से उसकी नजदीकी थी। दोनों एक–दूसरे को पसंद करते थे। दोनों ने 19 अक्टूबर 2023 को कोर्ट मैरिज कर ली। इसकी जानकारी बाद में घर वालों को हुई।

परिवार वालों की मौजूदगी में एक साल बाद 30 नवंबर 2024 दोनों की शादी करवाई गई। दोनों ने पड़िला महादेव धाम में हिंदू रीति से विवाह की रस्में निभाईं।

खुशबू ने बताया कि शादी में उसके परिवार ने 2 लाख नकद, 10 ग्राम की सोने की चेन, सोने की अंगूठी और घरेलू सामान दिया। शादी के अगले ही दिन राहुल उसे लेकर शहर चला गया। अल्लापुर में किराए के मकान में लेकर रहने लगा। पिछले महीने 25 अक्टूबर को उसने बच्ची को जन्म दिया।

दलापुर गांव की ही शिवांगी ने आरोप लगाया कि उसकी राहुल से 4 दिसंबर 2024 को शादी हुई थी। राहुल ने कभी नहीं बताया कि उसकी पहले भी शादी हो चुकी है और उसकी एक बच्ची भी है। शादी में टीवीएस स्पोर्ट मोटरसाइकिल, तीन लाख रुपये नकद, घर गृहस्थी का सामान और लगभग छह लाख रुपए खर्च हुए। शिकायत है कि शादी के बाद उसके परिवार ने दो लाख रुपए और सोने की चेन की मांग की। मना करने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया।

पहली पत्नी खुशबू ने आरोप लगाया कि 10 नवंबर को वह नवजात बेटी के साथ आरोपी के घर गई। वहां उसके साथ मारपीट की गई। बच्ची की गला दबाकर हत्या का प्रयास किया गया। आसपास के लोगों ने बीच–बचाव कर दोनों की जान बचाई। तभी उसे दूसरी शादी की बात पता चली। आसपास के जानकारी जुटाकर शिवांगी के पास पहुंची और थाने में शिकायत करने का फैसला किया।

दोनों महिलाओं का कहना है कि राहुल ने दोनों के साथ धोखा किया है। दोनों को अंधेरे में रखकर उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी। अब दोनों से ही किनारा कर लिया है। ऐसे में उन दोनों ने संयुक्त रूप से पुलिस आयुक्त प्रयागराज को प्रार्थनापत्र देकर कार्रवाई की मांग की। उसके आधार पर अब एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामले में राहुल के अलावा उसके पिता राजेश दुबे, मां गीता देवी, दो भाई नितेश और सूरज के खिलाफ भी थ्प्त दर्ज हुई है। सभी के खिलाफ धोखाधड़ी और दहेज उत्पीड़न का भी मामला दर्ज किया गया है।

थाना अध्यक्ष संजय गुप्ता का कहना है कि दोनों महिलाओं की शिकायत पर आरोपी पति राहुल दुबे को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य पर दहेज के लिए उत्पीड़न करने का आरोप है। धोखाधड़ी कर शादी के मामले में उनकी भूमिका की जांच की जा रही है।

एसएससी सीजीएल में आवेदन संख्या में आई कमी

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की संयुक्त स्नातक (सीजीएल) परीक्षा–2025 में आवेदनकर्ताओं की संख्या में ढाई लाख से अधिक की कमी दर्ज की गई है। आयोग ने भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए हाल ही में आधार सर्टिफिकेशन को अनिवार्य किया था। पहले ऐसी शिकायतें आती थीं कि कई अभ्यर्थी एक ही भर्ती में अलग–अलग नाम या विवरण से कई बार आवेदन करते थे। यहां तक कि कभी–कभी कोई अन्य व्यक्ति परीक्षा देने पहुंच जाता था। सीजीएल–2024 में जहां 8,81,888 आवेदन प्राप्त हुए थे। वहीं, इस बार 2025 में केवल 6,21,918 आवेदन ही आए हैं। यानी लगभग ढाई लाख उम्मीदवार कम हुए हैं। इससे पहले कोविड काल (2019 से 2021) में पांच लाख से कम आवेदन आए थे। लेकिन उसके बाद यह संख्या लगातार बढ़ रही थी। अधिकारियों का कहना है कि आधार लिंकिंग के कारण एक व्यक्ति केवल एक बार ही आवेदन कर पा रहा है। जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और फर्जीवाड़े पर रोक लगी है। प्रयागराज क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आधार अनिवार्य करने से हर भर्ती में फर्जी आवेदनों की संख्या घट रही है और प्रक्रिया अधिक भरोसेमंद बन रही है।

महासचिव बोले– सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का काम, निष्पक्ष चुनाव जरूरी है

प्रयागराज (संवाददाता)। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित हो चुके हैं लेकिन राजनीतिक बयानबाजी और भविष्य की रणनीतियों पर अब कयास का दौर शुरू हो गया है। यूपी चुनाव 2027 की तैयारियों में लगा जनसत्ता दल (लोकतान्त्रिक) ने भी अपनी कमर कस ली है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व सांसद शैलेंद्र कुमार ने बिहार चुनाव के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष का काम होता है सरकार पर सवाल उठाना, चाहे मतदाता सूची की गड़बड़ी हो या कोई अन्य मुद्दा। लेकिन सबसे जरूरी है कि जनता को भरोसा रहे कि सरकार सुशासन दे पा रही है या नहीं।

प्रयागराज में माघ मेला 2026 की जोरदार तैयारी शुरू

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में वर्ष 2026 में लगने वाले माघ मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। विश्व के इस सबसे बड़े आध्यात्मिक और धार्मिक मेले की शुरुआत 3 जनवरी 2026 से होगी। संगम की रेती पर टेंट सिटी बसाने और पूरे मेले क्षेत्र में जमीन के समतलीकरण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है, ताकि साधु–संतों और कल्पवासियों के लिए अखाड़े, कैंप व संस्थाएं सुगमता से स्थापित हो सकें। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने पूरे मेले क्षेत्र में लेवलिंग का कार्य शुरू कर दिया है। सिंचाई, बिजली, लोक निर्माण, स्वास्थ्य और अग्निशमन सहित विभिन्न विभागों को अपने–अपने हिस्से का कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। बिजली विभाग अस्थायी पोल लगाने और तार खींचने में जुटा है, जिससे मेले भर में पर्याप्त प्रकाश और विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर अभी कम नहीं हुआ है, इसलिए घाटों का निर्माण बाद में शुरू किया जाएगा। हालांकि, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पांटून पुलों का निर्माण प्रारंभ कर दिया गया है। दारागंज क्षेत्र से एक अतिरिक्त पांटून ब्रिज बनाने का प्रस्ताव भी है, जिससे मेले के दोनों तरफ आवागमन आसान हो सके। मेला अधिकारी और पीडीए उपाध्यक्ष ऋषि राज ने बताया कि मेला आयोजन से जुड़े सभी विभागों की समन्वय बैठकें पूरी हो चुकी हैं। लगभग 70 करोड़ रुपये के कार्यों के टेंडर जारी होने के बाद विभागों को समयबद्ध रूप से निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। कमिश्नर सौम्या अग्रवाल और डीएम मनीष वर्मा लगातार कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। माघ मेला 2026 को 7 सेक्टरों में बसाया जाएगा। इसमें संगम नोज, परेड ग्राउंड, रामघाट से गंगा तिराहा, नवास की मंदिर क्षेत्र के साथ–साथ गंगा पार छतनाग और झूंसी तक का क्षेत्र शामिल होगा। लगभग 800 हेक्टेयर में फैलने वाले इस विशाल मेले में 4000 से अधिक संस्थाएं स्थापित की जाएंगी। दिसंबर में भूमि आवंटन प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। नदियों का जलस्तर चुनौती बना हुआ है, लेकिन इसके बावजूद मेला प्रशासन का दावा है कि दिसंबर के अंत तक सभी तैयारियाँ पूरी कर ली जाएंगी, ताकि श्रद्धालु बिना किसी कठिनाई के माघ मेला 2026 का पुण्य लाभ उठा सकें।

70 वर्षीय डॉक्टर 25वीं बार दौड़ेंगे इंदिरा मैराथन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में बुधवार को 40वीं इंदिरा मैराथन का आयोजन किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती पर होने वाली यह मैराथन सुबह 6 बजे आनंद भवन के सामने से शुरू होगी, जिसमें 42.195 किलोमीटर की फुल मैराथन दौड़ शामिल है। हाल ही में जारी अधिसूचना के अनुसार अब 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के युवा भी इस प्रतिष्ठित मैराथन में हिस्सा ले सकेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

No: 797-GM/Law/NCR/HQ/RA Engagement/2025 (Part-II)
Date 17.11.2025

दिनांक 14.06.2023 की अधिसूचना संख्या- 02/2023 के निरस्तीकरण हेतु सूचना

सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि विभिन्न केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण, रेलवे दावा अधिकरण और जिला न्यायालय / अधीनस्थ न्यायालयों में रेलवे अधिवक्ताओं के पैनल हेतु आवेदन माँगे गए थे, को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। (अनूप सिंह)

2196/25 (D) एडीजीएम/लीगल

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

1996 गाजियाबाद बस विस्फोट का दोषी बरी होगा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी को 'भारी मन से' बरी किया, पुलिस के बयान मान्य नहीं

प्रयागराज (संवाददाता)। मोदीनगर–गाजियाबाद बस बम विस्फोट मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मोहम्मद इलियास की दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। कोर्ट ने 51 पन्नों के आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में बुरी तरह नाकाम रहा और पुलिस के सामने दिया गया उसका इकबालिया बयान साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 के तहत स्वीकार्य नहीं है।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने इलियास की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा– पुलिस के इकबालिया बयान को हटाने के बाद उसके खिलाफ कोई कानूनी रूप से मान्य साक्ष्य नहीं बचता।

कोर्ट ने कहा कि वह "भारी मन से" इलियास को बरी कर रही है, क्योंकि यह केस इतना गंभीर था कि 18 निर्दोष लोगों की जान गई थी और कई यात्री घायल हुए थे। इसने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया था।

रुड़की डिपो की एक बस 27 अप्रैल 1996 को 15:55 बजे दिल्ली से लगभग 53 यात्रियों को लेकर रवाना हुई थी। मोहन नगर में 14 और यात्री उसमें सवार हो गए। शाम करीब पांच बजे मोदीनगर पुलिस स्टेशन (गाजियाबाद) पार करते ही बस के अगले हिस्से में एक तेज विस्फोट हुआ।

इस हादसे में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। लगभग 48 यात्री घायल हो गए थे। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में शवों में धातु के टुकड़े पाए गए थे और डॉक्टरों ने कहा– मौतें बम विस्फोट के कारण हुए अत्यधिक रक्तस्राव, सदमे के कारण हुईं।

फोरेंसिक जांच में सामने आया था कि कॉर्बन के साथ मिश्रित आरडीएक्स को बस के अगले हिस्से में बाईं ओर चालक की सीट के नीचे रखा गया था। विस्फोट रिमोट स्विच के माध्यम से किया गया था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि हमले को अब्दुल मतीन उर्फ घ्घ्इकबाल, एक पाकिस्तानी नागरिक और हरकत–उल–अंसार के कथित जिला कमांडर ने मोहम्मद इलियास और तस्लीम के साथ साजिश में अंजाम दिया था।

यह भी आरोप लगाया गया कि इलियास (अपीलकर्ता), जो मूल रूप से मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। लेकिन लुधियाना में रहता है। उसको जम्मू–कश्मीर के कुछ लोगों ने बहकाया था। उसने बम रखने की साजिश रची थी।

2013 में ट्रायल कोर्ट ने सह–आरोपी तस्लीम को बरी कर दिया था, लेकिन इलियास (अपीलकर्ता) और अब्दुल मतीन को धारा 302ध्34, 307ध्34, 427ध्34, 120–बी, 121–ए, 124–ए आईपीसी और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4ध्5 के तहत दोषी ठहराया था।

दोनों को आजीवन कारावास के साथ–साथ विभिन्न कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई। तस्लीम की बरी के खिलाफ राज्य सरकार ने कोई अपील दायर नहीं की। इस बारे में भी कोई जानकारी नहीं है कि अब्दुल मतीन ने अपील दायर की थी या नहीं। इसलिए, हाईकोर्ट ने केवल इलियास की अपील पर ही सुनवाई की।

हाईकोर्ट के सामने मुख्य मुद्दा इलियास ने कथित रूप से दिए गए इकबालिया बयान की स्वीकार्यता का था। जून 1997 में लुधियाना में गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दावा किया था कि इलियास ने अपने पिता और भाई की मौजूदगी में बम लगाने की बात कबूल की थी।

यह बयान सीबी–सीआईडी घ्घ्के एक सेक्टर अधिकारी, आईओ ने एक ऑडियो कैसेट पर रिकॉर्ड किया था। लेकिन इसकी वैधता की जांच करने से पहले, खंडपीठ ने कहा कि 34 अभियोजन पक्ष के गवाहों की जांच की गई थी, जिनमें घायल यात्री, प्रत्यक्षदर्शी, जांच गवाह, चिकित्सा गवाह और कई जांच अधिकारी शामिल थे।

कोर्ट ने आगे कहा– हालांकि यात्रियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना को साबित कर दिया, लेकिन कोई भी यह नहीं पहचान सका कि विस्फोटक किसने रखा था, क्योंकि बम बस के आईएसबीटी दिल्ली से रवाना होने से पहले ही रखा गया था, जिससे पहचान असंभव हो गई।

खंडपीठ ने यह भी कहा– जिन गवाहों को सुनने के लिए कहा गया था, वे अपने बयान से मुकर गए और उन्होंने ऐसी किसी भी स्वीकारोक्ति से इनकार किया या विरोधाभासी बयान दिए।

अब पुलिस के समक्ष इलियास के इकबालिया बयान की स्वीकार्यता के प्रश्न के संबंध में, पीठ ने कहा– इलियास द्वारा कथित तौर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी (पीडब्लू–11) के समक्ष दिया गया ऑडियो–रिकॉर्डेड इकबालिया बयान अस्वीकार्य है।

इस प्रकार कोर्ट ने अभियोजन पक्ष के इस तर्क को खारिज कर दिया कि टाडा अधिनियम की धारा 15 के तहत पुलिस अधीक्षक के पद से नीचे के पुलिस अधिकारी के समक्ष किया गया इकबालिया बयान स्वीकार्य है।

हाईकोर्ट ने कहा कि टाडा का प्रभाव समाप्त हो चुका था और इस प्रकार कहा कि टाडा की धारा 15 के तहत प्रदत्त विशेष अपवाद, जो पुलिस के इकबालिया बयान को साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति देता था, इस मामले पर लागू नहीं होता।

अभियोजन पक्ष यह आरोप साबित करने में बुरी तरह विफल रहा है कि अपीलकर्ता ने सह–अभियुक्तों के साथ मिलकर बस में बम विस्फोट करने के लिए बम लगाने की साजिश रची थी, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में यात्रियों की जान चली गई और वे घायल हो गए।

11 हजार रिश्वत लेते सिंचाई विभाग कर्मचारी गिरफ्तार

प्रयागराज में कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एक परसेंट कमीशन मांगा, विजिलेंस ने पकड़ा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में विजिलेंस टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सिंचाई विभाग में तैनात ड्राफ्टमैन जितेन्द्र कुमार को 11 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोप है कि वह ई–टेंडर से जुड़े दस्तावेज और अनुबंध पत्र तैयार करने के बदले पैसे की मांग कर रहा था।

शिकायत मो. रिजवान, निवासी न्यू मेहंदौरी ने दी थी। उन्होंने बताया कि उनके भतीजे मो. गुफरान की मो. गुफरान कंस्ट्रक्शन नाम से फर्म है, जिसका काम वह देख रहे हैं। फर्म ने सोरांव रजवाहा निर्माण कार्य के लिए ई–टेंडर में 39.93 प्रतिशत कम रेट देकर पहला स्थान हासिल किया था। इसके बाद सभी जरूरी दस्तावेज, एफडीआर और स्टाम्प जमा कर दिए गए।

शिकायतकर्ता के मुताबिक 13 नवंबर को ड्राफ्टमैन जितेंद्र कुमार ने अनुबंध पत्र तैयार करने के बदले एक प्रतिशत कमीशन यानी 11 हजार रुपये की मांग की। कई बार आग्रह करने पर भी वह रिश्वत लेने पर अड़ा रहा। इसके बाद मामला विजिलेंस के पास पहुंचा। विजिलेंस टीम ने शिकायत की गुप्त जांच की, आरोप सही पाए। इसके बाद 18 नवंबर को सिंचाई खंड प्रथम कार्यालय, प्रयागराज में दबिश देकर ड्राफ्टमैन जितेंद्र कुमार को 11 हजार रुपये लेते समय पकड़ लिया।

प्रयागराज में नामांकन के बाद पीआर मौर्या बोले– एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करना प्राथमिकता

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। चुनाव लड़ने वाले अधिवक्ता पूरे प्रदेश भर से इस समय प्रयागराज पहुंच रहे हैं। शक्ति प्रदर्शन के साथ उप्र बार काउंसिल के मुख्यालय में नामांकन कर रहे हैं। इस बार कई नए चेहरे में चुनावी मैदान में दिख रहे हैं तो कुछ पुराने दिग्गज भी इसी चुनावी जंग में ताल ठोकते नजर आ रहे हैं। इस चुनाव में एक बार फिर शामिल हैं उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के तीन बार के चेयरमैन व 2 बार के वाइस चेयरमैन रहे पीआर (पांचू राम) मौर्या। उन्होंने सैकड़ों अधिवक्ता समर्थकों के साथ नामांकन किया। एडवोकेट पीआर मौर्या ने कहा, जिस तरह से हमने अपने पिछले कार्यकाल में अधिवक्ता हित के लिए कार्य किया है उसी तरह आगे भी यह क्रम जारी रहेगा। अधिवक्ताओं के वृद्धावस्था के लिए कुछ विशेष सुविधाएं मुहैया कराने की प्लानिंग है। इसके साथ ही युवा अधिवक्ता जो आ रहे हैं उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो इसका ध्यान रखा जाएगा। युवा अधिवक्ताओं के लिए सरकार स्तर पर वार्ता की जाएगी। उन्होंने कहा, पुलिस आए दिन किसी न किसी मामले में अधिवक्ताओं पर गलत मुकदमे दर्ज कर देती है। इसके लिए तहसील व जिला स्तर पर अधिवक्ताओं से वार्ता होगी। ताकि इसे रोका जा सके। उन्होंने कहा, यदि अधिवक्ता एक होंगे तो पुलिस भी गलत नहीं कर पाएगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के अधिवक्ता शशांक मौर्य ने कहा, यह बार काउंसिल का चुनाव एशिया का सबसे बड़ा चुनाव कहा जाता है। इसके लिए अधिवक्ता उत्साहित हैं।

प्रयागराज में अभियंता से 22.50 लाख की ठगी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में पीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता को साइबर ठगों ने 10 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखकर 22.50 लाख रुपए उड़ा लिए। ठगों ने फोन पर खुद को मुंबई के ईडी और सीबीआई का अधिकारी बतााया। बैंक खाते में गैर कानूनी लेनदेन का आरोप लगाया। शिवकुटी थाना क्षेत्र के रहने वाले अभियंता को 3 नवंबर को अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई पुलिस का अफसर बताता है। कहता है कि उनके केनरा बैंक खाते में संदिग्ध लेनदेन हुआ है। मुंबई आने से मना करने पर आरोपी ने वीडियो कॉल की और खुद को जांच अधिकारी बताकर खाते की जानकारी ले ली। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति वीडियो कॉल पर जुड़ा जिसने खुद को ईडी का अधिकारी बताया। उसने खाते के सत्यापन के नाम पर लगातार मानसिक दबाव बनाकर अभियंता से 3 से 12 नवंबर के बीच कई बार में कुल 22.50 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। पीड़ित ने बताया कि ठगों ने धमकी दी थी कि यदि यह बात किसी को बताई तो उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर दिया जाएगा। डर के चलते उन्होंने परिवार और दोस्तों से बात करना बंद कर दिया । मानसिक तनाव के कारण तबीयत भी बिगड़ गई। फिलहाल साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिन बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर हुए उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। एक बैंक खाते की पहचान भी कर ली गई है।

प्रयागराज में बुलडोजर लेकर पहुंचे नायब तहसीलदार पर हमला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में नायब तहसीलदार राजीव शुक्ला पर हमला हुआ है। सोमवार शाम नायब तहसीलदार पट्टे की जमीन से अवैध कब्जा हटवाने पहुंचे थे। उन्होंने बुलडोजर भी मंगवाया था। जैसे ही राजस्व टीम ने अवैध निर्माण ढहाना शुरू किया, भीड़ ने हमला कर दिया। पथराव में नायब तहसीलदार घायल हो गए। उनका सिर फट गया। दो पुलिस कर्मी भी घायल हुए। अफरा–तफरी मच गई। इस दौरान भीड़ ने तीन झोपड़ियों में आग भी लगा दी। आग लगने से झोपड़ियों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। राजस्व टीम को बीच में कार्रवाई रोककर वापस लौटना पड़ा। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। नायब तहसीलदार के सिर में टांके लगे हैं। घटना बहरिया थाना के करनाईपुर गांव की है। पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। 3 करोड़ की जमीन के लिए जुबैर और राजेंद्र शर्मा के बीच विवाद बहरिया थाना क्षेत्र के करनाईपुर गांव में 9.5 बीघे जमीन पर विवाद है।

गांधी शिल्प बाजार का भव्य समापन : कारीगरों की रचनाओं ने जीता दिल, हजारों ने उठाया लाभ

प्रयागराज। सरायगनी ग्राम उद्योग संस्थान द्वारा आयोजित श्गांधी शिल्प बाजारश का समापन हो गया। 10 दिवसीय इस हस्तशिल्प प्रदर्शनी ने देशभर से आए कारीगरों की अनमोल कृतियों को एक मंच पर सजाकर न केवल स्थानीय खरीदारों का मन मोह लिया, बल्कि स्वदेशी भावना को भी नई जान फूंकी। सिविल लाइंस के कूपर रोड, बिग बाजार के पीछे स्थित मैदान में आयोजित समापन समारोह में प्रयागराज के तमाम पत्रकार, व्यवसायी, अधिवक्ता, इंजीनियर और अन्य गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की। स्थानीय नेता भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कारीगरों की सराहना की।

भारत सरकार के हस्तशिल्प एवं वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त द्वारा प्रायोजित इस बाजार ने उद्घाटन से लेकर समापन तक हस्तशिल्पियों और हथकरघा बुनकरों के उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का अनुपम अवसर प्रदान किया। चिकनकारी शॉल्स, ब्लॉक प्रिंट साड़ियां, कांथा क्विल्ट, बैंडनी कुर्ते, फुलकारी डिजाइन, जड़ाऊ लकड़ी के बॉक्स, हाथी नक्काशी वाली मेजें, वुडन वॉल हैंगिंग, मूर्तिकला चेयर, रंग–बिरंगी लकड़ी की पुतलियां, थंडा सिल्वर रिंग्स, मीनाकारी नेकलेस, कांस्य मूर्तियां, बीडेड ब्रेसलेट और जड़ाऊ आभूषण जैसी विविधतापूर्ण वस्तुओं ने दर्शकों को आकर्षित किया। आयोजकों के अनुसार, बाजार में 20 हजार से अधिक आगंतुकों ने शिरकत की और लाखों रुपये का कारोबार हुआ, जिससे सैकड़ों कारीगर लाभान्वित हुए।

समापन समारोह की शुरुआत पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने गांधीजी के स्वदेशी आंदोलन पर आधारित प्रस्तुतियां दीं। संयोजक मो. नसीम ने कहा, ष्यह बाजार महात्मा गांधी की आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि को साकार करने का माध्यम बना। किफायती दामों पर शुद्ध हस्तनिर्मित उत्पाद उपलब्ध कराकर हमने कारीगरों को सशक्त बनाने का लक्ष्य हासिल किया। समापन पर हमें अत्यधिक उत्साह और समर्थन मिला, जो भविष्य के आयोजनों के लिए प्रेरणा बनेगा।ष

प्रमुख अतिथि के रूप में प्रयागराज महापौर गणेश केसरवानी ने समापन अवसर पर संबोधित करते हुए कहा, ष्यह प्रदर्शनी प्रयागराज की सांस्कृतिक धरोहर को मजबूत करने वाली रही। कारीगरों की मेहनत और विविधता ने सभी को प्रभावित किया। श्मेक इन इंडियाश अभियान को बढ़ावा देते हुए मैं सभी से अपील करता हूं कि ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करें।ष वहीं, विशिष्ट अतिथि विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने कारीगरों को सम्मानित करते हुए बताया, ष्ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और युवाओं को पारंपरिक कला से जोड़ने में यह बाजार मील का पत्थर साबित हुआ। उपस्थित पत्रकारों, व्यवसायियों, अधिवक्ताओं और इंजीनियरों की मौजूदगी ने इस समारोह को और भव्यता प्रदान की।ष

समापन में विशेष वर्कशॉप, लाइव डेमो और आखिरी घंटों में अतिरिक्त छूट ने दर्शकों को आकर्षित किया। आयोजकों ने घोषणा की कि अगले वर्ष और भी वृहद स्तर पर इस बाजार का आयोजन किया जाएगा। यदि आप भारतीय शिल्पकला के प्रति उत्साही हैं, तो यह समापन प्रयागराज की सांस्कृतिक यात्रा का एक यादगार अध्याय बन गया।

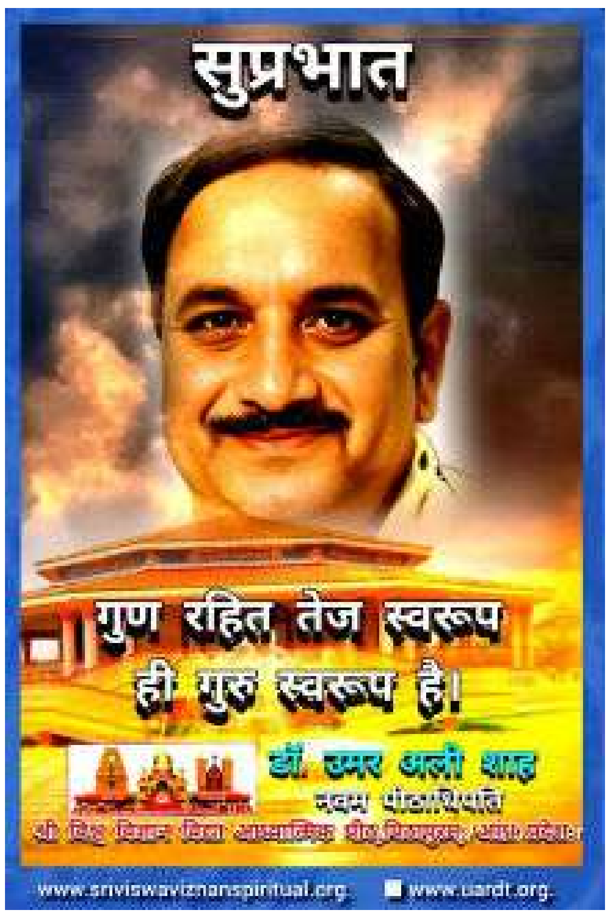

कलियों की मुस्कान

दौलत से जिनकी नहीं, होती है पहचान।
खुशबू है वह फूल की, कलियों की मुस्कान।
कलियों की मुस्कान,निभाती रस्में सारी।
पंखुरियाँ को सजा, उन्हीं पर होती वारी।
सुन लो कहें प्रदीप, प्रकृति भी करे मुरौअत।
रहती जिनके पास,सदा खुशबू की दौतत।।

अति रहस्यमय ज़िन्दगी, कोमल सरस स्वभाव।
चाहे जिसका फूल हो, सबका रखे ख़याल।
सबका रखे ख़याल, कभी गेंदा वह बनकर।
बने कभी वह धान, कभी गेहूँ सा सजकर।
सुन लो कहें प्रदीप, सदा वह बनकर प्रत्यय।
रहकर सबके साथ, महकता है रहस्यमय।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

एनसीसी कैडेट ने नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया

लखनऊ, संवाददाता। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर लखनऊ में राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वधान में प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता तथा एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के संचालन तथा एनएसएस अधिकारी डॉ चंदन मौर्य, डॉ मनीषा बरौनिया, दीक्षा के संयोजन में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत सिटी मजिस्ट्रेट सतीश त्रिपाठी ने उपस्थित सभी को इस बात से अवगत कराया कि आगामी निर्वाचन की शुचिता को बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी ऐप के माध्यम से किस प्रकार से प्रत्येक मतदाता के पहचान पत्र का पुनरीक्षण किया जा रहा है ताकि आगामी चुनाव में वोटर लिस्ट में किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा कमी शेष न रह सके। उन्होंने उपस्थित सभी को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण हेतु भरे जाने वाले फॉर्म के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए उसे भरने तथा भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने का प्रशिक्षण भी दिया। उन्होंने छात्राओं को फार्म 6, फार्म 7, एवं फॉर्म 8 के विषय में बताते हुए कहा कि जिन छात्राओं का नाम अभी मतदाता सूची में नहीं है वह ऑनलाइन फॉर्म 6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में पंजीकृत करवा सकती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट एवं एनएसएस की स्वयं सेविकाएं उपस्थित रहीं। आज ही नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशानुसार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता उत्पन्न करने हेतु छात्राओं को प्राचार्या द्वारा शपथ दिलाई गई कि सभी अपनी क्षमता के अनुसार प्रदेश और देश को नशा मुक्त करने का हर संभव प्रयास करेंगे। क्योंकि न केवल एक व्यक्ति बल्कि पूरे समाज और देश के विकास की गति का विरुद्ध करता है। युवा, जो देश का भविष्य है, उन्हें विशेष रूप से सभी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। छात्राओं को नशे से दूर रहने तथा समाज में भी जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

गंगानाथ झा परिसर में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह कार्यक्रम में विशिष्ट दुर्लभ हस्तग्रन्थों को देखने का मिल रहा है अवसर

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत विविध दुर्लभ ग्रन्थों एवं पाण्डुलिपियों का देखने का अवसर प्राप्त हो रहा है। परिसर में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत विविध गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसमें संस्कृत वेदों एवं पाण्डुलिपियों से उद्धृत विशिष्ट तथ्यों एवं श्लोकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारम्भ परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहायक प्रोफेसर विजय कुमार दाधीच एवं श्री रोहतास सिंह, उप परीक्षा नियंत्रक की गरिमामयी उपस्थिति में पुस्तकालय प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ प्रारम्भ हुआ। सप्ताह पर्यन्त चलने वाले कार्यक्रम में जहाँ एक ओर नवागत ग्रन्थों एवं दुर्लभ ग्रन्थों की प्रदर्शनी देखने का अवसर प्राप्त हो रहा है वहीं दूसरी ओर छात्र–छात्राओं को पुस्तक समीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है। परिसर में ग्रन्थालय दर्शन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें समस्त छात्र–छात्राओं ने अतिउत्साह के साथ भाग लिया। इसी क्रम में आज दिनांक 18–11–2025 को परिसर के शोध छात्र–छात्राओं पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में परिसर के शोध छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" विभागाध्यक्ष धर्मशास्त्र ने शोध छात्र–छात्राओं के प्रयास की सराहना की। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत कल दिनांक

19–11–2025 को परास्नातक छात्र–छात्राओं हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में पाण्डुलिपि एवं हस्तलेख विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. अपराजिता मिश्रा निर्णायक के रूप में उपस्थित रहेंगी। सप्ताह पर्यन्त चलने वाले राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह कार्यक्रम का समापन दिनांक 20–11–2025 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. पूरनमल गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा। सम्पूर्ण कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय, पुस्तकालय प्रभारी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में परिसर के समस्त विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएँ अति उत्साह से सम्मिलित हो रहे हैं।

01 जनवरी 2026 से पेट्रोल/डीज़ल चालित डिलीवरी एवं एग्रीगेटर वाहनों पर रोक

मुज़फ्फरनगर। 01 जनवरी 2026 से पेट्रोल/डीज़ल चालित डिलीवरी एवं एग्रीगेटर वाहनों पर रोक।वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार यह सूचित

किया जाता है कि दिल्ली–एनसीआर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए डिलीवरी सेवा प्रदाताओं, मोटर वाहन एग्रीगेटर्स और ई–कॉमर्स कंपनियों के लिए नए वाहन शामिल करने के नियम बदल दिए गए हैं।01 जनवरी 2026 से चार पहिया LCVs, LGVs (N1 श्रेणी के 3.5 टन तक) तथा सभी दो–पहिया डिलीवरी वाहनों में पेट्रोल या डीज़ल चलित किसी भी वाहन को शामिल नहीं किया जा सकेगा। यह व्यवस्था पूरी तरह अनिवार्य है। इसलिए सभी एग्रीगेटर कंपनियों, डिलीवरी सेवा प्रदाताओं और उनके साथ जुड़े वाहन मालिकों से अनुरोध है कि वे 01 जनवरी 2026 से पहले अपने वाहनों को CNG या इलेक्ट्रिक वाहनों में बदल लें, ताकि नई व्यवस्था का पालन समय से किया जा सके।यह कदम क्षेत्र में स्वच्छ हवा और बेहतर परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। सभी संबंधित संस्थाओं से सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

कोडीन सिरप गैंग के नए हब बन रहे छोटे शहर, सप्लाई नेटवर्क पर कड़ी नजर; नेपाल–बांग्लादेश तक फैला जाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोडीन सिरप के अवैध कारोबार को लेकर एफएसडीए अब छोटे शहरों पर फोकस कर रहा है। लखनऊ, आगरा, कानपुर और वाराणसी में हाल ही में मिले इनपुट से संकेत मिले हैं कि नशे के लिए कोडीन सिरप बेचने वाले गिरोह अब महानगरों से हटकर आसपास के छोटे जिलों में अपना जाल बिछा रहे हैं। महानगरों के रास्ते यह कारोबार नेपाल और बांग्लादेश तक चल रहा है। महानगरों में बड़ा स्टॉक न

मिलने के बाद एफएसडीए अब चंदौली, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, गाजीपुर, बलिया, चित्रकूट, ललितपुर सहित सीमावर्ती जिलों को विशेष निगरानी पर रख रहा है। दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा की ओर से आने वाले सप्लाई नेटवर्क पर भी कड़ी नजर रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) ने 10 अक्टूबर को लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गोदाम से सिरप की बड़ी खेप पकड़ी गई थी, जिसके जरिये लखीमपुर खीरी, महराजगंज और सिद्धार्थनगर तक सप्लाई की जा रही थी। इसके बाद दिल्ली से आगरा में भी सिरप पहुंचा है।

बंद मेडिकल स्टोरों के नाम पर दिखाई सप्लाई

कानपुर और वाराणसी में हुई छापे की कार्रवाई में भी बड़े पैमाने पर अवैध भंडारण, फर्जी बिलिंग और विभागीय मिलीभगत के प्रमाण मिले। वाराणसी में 93 मेडिकल स्टोरों को लगभग 84 लाख फेंसीडील सिरप बेचे जाने का खुलासा हुआ, जिनकी कीमत करीब 100 करोड़ रुपये आंकी गई। कई बंद मेडिकल स्टोरों के नाम पर भी सप्लाई दिखाकर अवैध कारोबार चलाया गया। वाराणसी में 26 दुकानों पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यहां जांच के दौरान पता चला कि न्यू पीएल फार्मा ने जिस बालाजी मेडिकल को फेंसीडील सिरप की आपूर्ति की है, वह काफी पहले बंद हो चुकी है। इसी तरह अन्य बंद मेडिकल स्टोरों के नाम आपूर्ति दिखाई गई है।

प्रदेश में अब तक हुई कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की आयुक्त डॉ. रौशन जैकब ने बताया कि जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं एवं अवैध डायवर्जन के प्रमाण मिले हैं। हर जिले में जांच कराई जा रही है। अब तक 130 दुकानों की जांच की गई। 120 नमूने लिए गए और 46 दुकानों पर बिक्री रोकी गई है।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् काशी प्रांत प्रयागराज की हुई बैठक

प्रयागराज ।अखिल भारतीय साहित्य परिषद् काशी प्रांत प्रयागराज की एक बैठक अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोज कुमार के प्रयागराज आगमन पर हुई द्यकार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की अध्यक्षा डा.स्नेह सुधा ने की एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन 2025 में पारित प्रस्ताव को पढ़ा द्यविशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री ज्योतिर्मयि (प्रकाशन अधिकारी हिंदुस्तानी एकेडमी) और कुश श्रीवास्तव(वरिष्ठ अधिवक्ता, उद्यमी एवं साहित्य प्रेमी) रहेद्यइस कार्यक्रम का आयोजन संस्था की संरक्षिका एवं संस्था की उपाध्यक्षा प्रोफेसर कल्पना वर्मा ने कियाद्यकार्यक्रम का शुभारंभ डा.कामिनी श्रीवास्तव ने मां सरस्वती की वंदना से कियाद्यमुख्य अतिथि का स्वागत राज भाषा उप निदेशक मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पी. के. द्विवेदी, साहित्यकार ,रंजन पांडेय एवं अशोक श्रीवास्तव ने कीद्यमुख्य अतिथि ने अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उसके उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली के नियमों के क्रियान्वयन पर चर्चा –परिचर्चा कीद्य इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आतिथेय अभिनंदन करते हुए आत्मबोध से विश्वबोध की संकल्पना को साकार करने का आह्वाहन किया। ज्योतिर्मयि जी ने स्वार्थ से परे होकर साहित्य सेवा करने को संकल्पित होने को कहा है द्य संस्था के सभी पदाधिकारी गण रचना सक्सेना, उर्वशी उपाध्याय,मिली श्रीवास्तव, वरिष्ठ कहानीकार शांभवी,कंचन लता,डा.मंडला मेधास्वी ने अपने अपने विचार रखे इस अवसर पर डा.मनोज मिश्रा ,शिवा, आकांक्षा,कंचन श्रीवास्तव अपर्णा आर्या आदि उपस्थित रहीं अंत में संस्था की उपाध्यक्षा प्रो. कल्पना वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन 2025 में जारी वक्तव्य और नियमावलियों को पढ़कर सुनाया तथा साहित्य लेखन तथा पाठन में नवाचार पर बल दियाद्यतत्पश्चात् वंदेमातरम के उद्घोष और सर्वे भवन्तु सुखिनरूके साथ सभा विसर्जित हुई।

भोलानाथ कुशवाहा का नया कविता संग्रह 'कबीर नहीं बन पाया' प्रकाशित

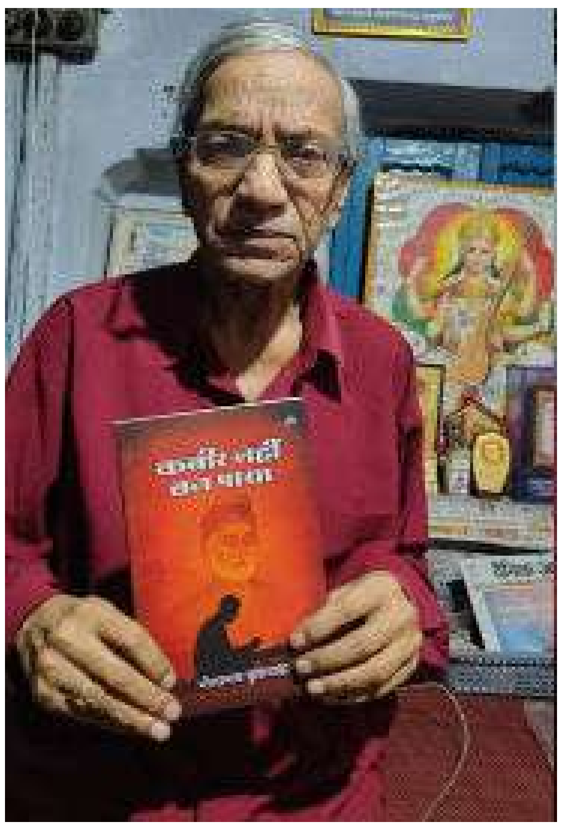

मिर्जापुर। जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा का कविता संग्रह श्कबीर नहीं बन पायाश प्रकाशित हुआ है। यह संग्रह 120 पृष्ठों का है। इसे संत रविदास नगर (भदोही) के हिंदी श्री पब्लिकेशन ने प्रकाशित किया है। इसमेंअपने वक्तव्य में साहित्य चेतना समाज के संस्थापक अमरनाथ तिवारी श्अमरश ने लिखा है, यह संग्रह केवल आत्मनिरीक्षण तक सीमित नहीं है बल्कि आज के विषमताओं से भरे समाज का एक तीखा और यथार्थवादी दस्तावेज है।

नगर के बाँकेलाल टंडन की गली, वासलीगंज निवासी 75 वर्षीय भोलानाथ कुशवाहा की रचनात्मक साहित्य की अब तक 12 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इन्होंने हिन्दी साहित्य की कई विधाओं में लेखन किया है। जिनमें कविता,गीत, नवगीत, मुक्तक, दोहा, हाइकू गजल, शेर, नाटक, कहानी, लघुकथा आदि हैं। इनकी लिखी भूमिकाएँ व समीक्षाएं विभिन्न पत्र– पत्रिकाओं मे प्रकाशित होती रही हैं। साथ ही आकाशवाणी एवं दूरदर्शन से भी इनकी कविताओं का प्रसारण हो चुका है। इन्हें उ प्र हिंदी संस्थान, लखनऊ के साथ कई प्रतिष्ठित संस्थानों ने सम्मानित किया है।

भोलानाथ कुशवाहा के कविता संग्रह श्कबीर नहीं बन पायाश के प्रकाशित होने पर अनेक लोगों ने बधाई दी है जिनमें डॉ अनुज प्रताप सिंह, वृजदेव पांडेय, प्रो रेनूरानी सिंह, डॉ वंदना मिश्रा, प्रमोद कुमार सुमन, लाल व्रत सिंह सुगम, गणेश गंभीर, लल्लू तिवारी, आनन्द अमित, अरविंद अवस्थी, केदार नाथ सविता, जफर मिर्जापुरी, मुहिब मिर्जापुरी, डॉ अनुराधा ओस, हसन जौनपुरी, खुर्शीद भारती, नन्दिनी वर्मा, सारिका चौरसिया, डॉ सुधा सिंह, इला जायसवाल, इम्तियाज अहमद गुमनाम, इरफान कुरैशी, अनिल यादव, हेलाल मिर्जापुरी आदि हैं।

कल से शुरू होगा बंदर पकड़ो अभियान सभासद ने सेट करवाए पिंजरे

मुजफ्फरनगर। नगर की प्रमुख समस्याओं में से एक बंदरों की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर पालिका की ओर से

बुधवार को विशेष रूप से अभियान चलाया जाएगा। जिसकी तैयारी के चलते गांधी कॉलोनी सभासद अमित पटपटिया ने उपयुक्त स्थान देखते हुए आज बंदर पकड़ने का पिंजरा टीम के साथ रखवायालाल अमित पटपटिया ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप जी के निर्देशन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान की शुरुआत बुधवार को गांधी कॉलोनी से होगी आशा है इस अभियान से नगर वासियों को बंदरों की समस्या से काफी राहत मिलेगी इस कार्य में नागरिकों को भी सहयोग करना होगा क्योंकि यह पिंजरे खुली छत पर ही लगाए जा सकते हैं अतः टीम को जो स्थान उपयुक्त लगे वहां के निवासियों को अपनी छत पर पिंजरा लगाने की अनुमति सहर्ष देनी चाहिए।

सम्पादकीय........

डिजिटल लत से मुक्ति

कोरोना संकट ने जहां ऑनलाइन शिक्षा के जरिये छात्रों को पढ़ाई का कारगर विकल्प दिया, तो वहीं छात्र–छात्राओं को डिजिटल एडिक्शन का शिकार भी बना दिया। मां–बाप को लगता था कि बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई में व्यस्त हैं, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चे ऑनलाइन गेम की लत के शिकार बने हुए थे। हाल के दिनों में पढ़ाई के माध्यमों और जीवनशैली में बदलाव के चलते बच्चे तेजी से डिजिटल लत के शिकार होने लगे हैं। मगर उन्हें ये सब सामान्य लगता था। यदि मां–बाप उन्हें इससे रोकते हैं, तो टोका–टाकी उन्हें बर्दाश्त नहीं होती है। उनका व्यवहार आक्रामक भी होने लगता है। कहीं–कहीं तो मां–बाप की सख्ती के बाद छात्रों के आत्महत्या करने के मामले भी सामने आए। केरल में सिर्फ पलक्कड़ में चार साल के भीतर 41 बच्चों द्वारा आत्महत्या करने के दुखद समाचार आए, जिसने प्रशासन और अभिभावकों की नींद उड़ा दी। डिजिटल लत से बच्चों को मुक्त करने के लिए केरल सरकार ने नई पहल की। पलक्कड़ में छह डि–एडिक्शन सेंटर शुरू किए हैं, जिनमें बच्चों की काउंसलिंग की जाती है। यहां मौजूद साइकोलॉजिस्ट लत के शिकार बच्चों का इंटरनेट एडिक्शन टेस्ट करते हैं, जिससे पता लगाया जाता है कि लत का स्तर क्या है। जिसके आधार पर उनकी काउंसलिंग की जाती है। इसके लिए जहां कुछ एक्सरसाइज करायी जाती हैं, वहीं दूसरी रचनात्मक गतिविधियों से इसे छुड़ाने की कोशिश की जाती है। इस दौरान एक–एक घंटे के दस–पंद्रह सेशन कराये जाते हैं। सुखद है कि चार–पांच सेशन के बाद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। दरअसल, डिजिटल लत के शिकार बच्चों को यह बताना कठिन होता है कि वे डिजिटल लत के शिकार हैं। वे मानने को तैयार ही नहीं होते कि वे कुछ असामान्य कर रहे हैं। उनके लिये यह व्यवहार सामान्य घटनाक्रम है। लेकिन डि–एडिक्शन सेंटर में काउंसलिंग और कुछ सेशन के बाद उन्हें लगता है कि कुछ गड़बड़ जरूर है। दरअसल, सोशल मीडिया का जाल हमारे समाज का ग्रास इतनी तेजी से कर रहा है, बच्चों को लगता ही नहीं कि वे कुछ असामान्य कर रहे हैं। जिसके चलते किशोर, इससे रोकने पर आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। कुछ मामलों में वे अवसादग्रस्त होने लगते हैं या फिर उनके मन में आत्महत्या के विचार आने लगते हैं। यह सुखद है कि पलक्कड़ में पिछले दो साल में साढ़े बारह सौ बच्चों को डिजिटल लत से मुक्ति दिलायी गई है। बच्चे मानसिक रूप से खुद को स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। दरअसल, आज जरूरत इस बात की है कि स्कूलों में शिक्षक व अभिभावक पढ़ाई और इंटरनेट के प्रयोग में संतुलन बैठाने का प्रयास करें। सही मायने में यह संकट सिर्फ केरल के किसी एक जिले का ही नहीं है, यह संकट पूरे देश का है।

बिहार परिणाम: राजनीति का नया अध्याय

डा. नीलम महेंद्र

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) ने शायद खुद भी इतनी विशाल विजय की कल्पना नहीं की थी। 243 में से 207 सीटों का प्रचंड बहुमत एन.डी.ए. को मिलना! यह जीत केवल आंकड़ों की नहीं है।

इस बार बिहार एक नए उजाले और बिल्कुल नए आत्मविश्वास के साथ जागा है। चुनावी नतीजों के शुरुआती रुझानों के साथ ही यह स्पष्ट हो गया था कि जनता ने इस बार केवल वोट नहीं डाला, अपनी राजनीति की दिशा खुद तय की है। क्योंकि शुरुआती रुझानों से लेकर अंतिम तस्वीर तक, पूरा परिदृश्य एक ही संदेश दे रहा था कि बिहार अब पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहता। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) ने शायद खुद भी इतनी विशाल विजय की कल्पना नहीं की थी। 243 में से 207 सीटों का प्रचंड बहुमत एन.डी.ए. को मिलना! यह जीत केवल आंकड़ों की नहीं है। यह बिहार के मतदाता के बदले हुए राजनीतिक विवेक, उसकी परिपक्वता और उसकी नई प्राथमिकताओं की पहचान है। बिहार के लोगों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब परिवारवाद अथवा भावनात्मक नारों का नहीं, परिणाम और भरोसे का रास्ता चुन चुके हैं।

खास बात यह रही कि इस बार बिहार ने मतदान प्रतिशत में भी इतिहास रचा। 67 प्रतिशत का रिकॉर्ड मतदान और उसमें 71 प्रतिशत महिलाओं की धमाकेदार भागीदारी बताता है कि यह केवल चुनाव नहीं बल्कि समाज की गहराई में घट रही शांत क्रांति का उद्घोष था। गांवों और शहरों में महिलाएं बूथों पर ऐसे पहुंचीं जैसे वे अपने जीवन का नया अध्याय लिखने निकली हों। उनके वोट में योजनाओं का लाभ, सुरक्षा की अनुभूति और रोजमर्रा के

जीवन में आए सुधारों का अनुभव था। पहली बार महिलाएं केवल वोटर नहीं, परिणाम की निर्णायक निर्माता बन कर उभरीं। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण विषय यह रहा कि बदलते बिहार में नए राजनीतिक प्रयोगों के प्रति उत्सुकता तो दिखी लेकिन वह विश्वास में नहीं बदल सकी। इसे बिहार के मतदाता की दूर दृष्टि कहें या नीतीश–मोदी की जोड़ी पर उसका अटूट विश्वास कि दिल्ली में 'आप' की उल्लेखनीय सफलता के विपरीत, जन सुराज जैसे नवप्रयोग बिहार में अपना खाता तक खोलने में विफल रहे। कांग्रेस 6 सीटों पर सिमट गई और तेजस्वी अपनी सीट बचाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। बिहार के मतदाता ने सब सुना, परखा, समझा पर अंत में उसी नेतृत्व पर भरोसा किया जो उन्हें स्थिरता और स्पष्टता के साथ बिहार को कानून व्यवस्था एवं प्रगति की राह पर ले जाता दिखाई दिया। स्पष्ट है कि बिहार का मतदाता अब सपनों से नहीं, सबूतों से प्रभावित होता है। वो खोखले वादों या सिद्धांतहीन बयानबाजी की राजनीति से तंग आ चुका है। यही कारण रहा कि 'वोट चोरी' जैसे आरोप भी जनता के बीच मुद्दा ही नहीं बन सके। मतदान का प्रतिशत बताता है कि लोगों का लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर विश्वास पहले से कहीं मजबूत दिखा और वास्तविक संघर्ष बूथ प्रबंधन तथा जमीनी संगठन क्षमता का रहा। जिसने बूथ संभाला, उसने चुनाव संभाला। एन.डी.ए. इस मैदान में निर्णायक रूप से आगे रहा। निश्चित रूप से मोदी फैक्टर इस चुनाव में हमेशा की तरह मजबूत रहा। देश के जनमानस में यह भावना दृढ़ हो रही है कि विकास, स्थिरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के लिए नरेंद्र मोदी का नेतृत्व विश्वसनीय है। बिहार के मतपत्रों में भी इसी विश्वास की प्रतिध्वनि महसूस की गई। राज्य की स्थिरता और केंद्र की विश्वसनीयता, दोनों ने मिलकर इस जनादेश को आकार दिया। कांग्रेस का एक सीट पर सिमटना और तेजस्वी यादव का अपनी ही सीट पर संघर्ष करना, यह दृश्य सिर्फ राजनीतिक हार नहीं, एक बड़ा मनोवैज्ञानिक संकेत है कि लालू यादव की विरासत भावनात्मक तो है, पर अब निर्णायक नहीं। तेजस्वी की युवा ऊर्जा सीमित दायरे में रह गई और राहुल गांधी की अपील बिहार की जमीन में जड़ें नहीं जमा सकी। एन.डी.ए. की आंधी के सामने कोई भी टिक नहीं पाया। न नैरेटिव में, न संगठन में, न ही नेतृत्व में। क्योंकि अतीत की स्मृतियां अब भी बिहार के मन में जीवित हैं। 'जंगल राज' शब्द सिर्फ राजनीतिक आरोप नहीं बल्कि कई परिवारों के लिए वास्तविक पीड़ा रहा है। इसी कारण सुरक्षा, स्थिरता और शासन की निरंतरता इस बार प्रमुख मुद्दों के रूप में उभरे। इन नतीजों से जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि उसे अनिश्चितता नहीं, व्यवस्था चाहिए। उसे अतीत नहीं, भविष्य चाहिए। युवा मतदाता भी इस चुनाव का मूक परिवर्तनकारी चेहरा रहा। उन्हें शिक्षा, कौशल, नौकरी और ऐसा राज्य चाहिए जहां से पलायन नहीं, रहने में गर्व हो। प्रवास की मजबूरियों के बीच भी, घरों में महिलाओं और युवाओं ने जिस गंभीरता से मतदान किया, उसने परिणाम की दिशा बदल दी। अंततरू इस जनादेश की सबसे बड़ी जीत किसी दल या नेता की नहीं बल्कि बिहार के जागे हुए मतदाता की है। उसने दिखा दिया कि वह अब सोचकर, समझकर, तौलकर वोट देता है। वह किसी भ्रम में नहीं आता और किसी स्थायी नारे के पीछे नहीं चलता। बिहार ने अपना निर्णय दे दिया है। गहरा, स्पष्ट और संयत। अब बिहार इंतजार नहीं करता, बिहार अपेक्षा करता है। और यही अपेक्षा लोकतंत्र की सबसे सुंदर, सबसे सशक्त ध्वनि है।

क्यों नहीं रुकते आतंकी हमले?

विनीत नारायण

एक बार फिर आतंकवादी हमलों ने देश की राजधानी दिल्ली को दहला दिया। लाल किले के भीड़ भरे इलाके में ये जानलेवा विस्फोट उस साजिश से कहीं कम थे जो पूरी दिल्ली को दहलाने के लिए रची गई थी। इन आतंकी हमलों के पीछे पढ़े लिखे ऐसे लोग शामिल हैं जिनसे ऐसी वहशियाना हरकत की उम्मीद नहीं की जा सकती। प्रश्न है कि जब देश की सुरक्षा एजेंसियां हर समय अपने पंजों पर रहती हैं उसके बावजूद भी देश की राजधानी जोकि सुरक्षा के लिहाज से काफी मुस्तैद मानी जाती है, वहां पर इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री लेकर एक आतंकी कैसे घूम रहा था? कैसे यह विस्फोटक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पहुंचा? हमारी रक्षा और गृह मंत्रालय की खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं?इन हमलों से सारा देश हतप्रभ है। पहलगाम में हुई आतंकवादी वारदात के 6 महीने बाद ही ये दूसरा बड़ा झटका लगा है। सवाल उठता है कि देश में आतंकवाद पर कैसे काबू पाया जाए? हमारा देश ही नहीं दुनिया के तमाम देशों का आतंकवाद के विरुद्ध एकतरफा सांझा जनमत है। ऐसे में सरकार अगर कोई ठोस कदम उठाती है तो देश उसके साथ खड़ा होगा। उधर तो हम सीमा पर लडने और जीतने की तैयारी में जुटे रहें और देश के भीतर आई.एस.आई. के एजेंट आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देते रहें तो यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। मैं पिछले 30 वर्षों से अपने लेखों में लिखता रहा हूं कि देश की खुफिया एजेंसियों को इस बात की पुख्ता जानकारी है कि देश के 350 से ज्यादा शहरों और कस्बों की सघन बस्तियों में आर.डी.एक्स. मादक द्रव्यों और अवैध हथियारों का जखीरा जमा हुआ है जो आतंकवादियों के लिए रसद पहुंचाने का काम करता है। प्रधानमंत्री को चाहिए कि इसके खिलाफ एक 'आप्रेशन क्लीन स्टार' या 'अपराधमुक्त भारत अभियान' की शुरुआत करें और पुलिस व अर्धसैनिक बलों को इस बात की खुली छूट दें जिससे वे इन बस्तियों में जाकर व्यापक तलाशी अभियान चलाएं और ऐसे सारे जखीरों को बाहर निकालें। गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में हुए धमाके के बाद अपने बयान में यह साफ कहा कि आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि पूरी दुनिया देखेगी। उल्लेखनीय है कि कश्मीर के खतरनाक आतंकवादी संगठन 'हिजबुल मुजाहिद्दीन' को दुबई और लंदन से आ रही अवैध आर्थिक मदद का खुलासा 1993 में मैंने ही अपनी वीडियो समाचार पत्रिका 'कालचक्र' के 10वें अंक में किया था। इस घोटाले की खास बात यह थी कि आतंकवादियों को मदद देने वाले स्रोत देश के लगभग सभी प्रमुख दलों के बड़े नेताओं और बड़े अफसरों को भी यह अवैध धन मुहैया करा रहे थे। इसलिए सी.बी.आई. ने इस कांड को दबा रखा था। घोटाला उजागर करने के बाद मैंने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और आतंकवादियों को आ रही आर्थिक मदद के इस कांड की जांच करवाने को कहा।सर्वोच्च अदालत ने मेरी मांग का सम्मान किया और भारत के इतिहास में पहली बार अपनी निगरानी में इस कांड की जांच करवाई। बाद में यही कांड 'जैन हवाला कांड' के नाम से मशहूर हुआ। उन दिनों हांगकांग से 'फार ईस्टर्न इकोनॉमिक रिव्यू' के संवाददाता ने 'हवाला कांड' पर मेरा इंटरव्यू लेकर कश्मीर में तहकीकात की और फिर जो रिपोर्ट छपी, उसका निचोड़ यह था कि आतंकवाद को पनपाए रखने में बहुत से प्रभावशाली लोगों के हित जुड़े हैं।

अन्तर्नाद की अनुगूंज है प्रेमा राय का कहानी संग्रह 'रिश्तो का अन्तर्नाद'

प्रयागराज । प्रयागराज की वरिष्ठ कवयित्री प्रेमाराय के कहानी संग्रह शरिश्तों का अन्तर्नादश पर शुक्रवार को एक परिचर्चा आयोजित हुई। इस अवसर पर प्रयागराज के अनेक सम्मानित साहित्यकार उपस्थित रहे जिनमें डॉ वीरेन्द्र कुमार तिवारी, डॉ गीता सिंह, रचना सक्सेना, संजय सक्सेना, रंजन पाण्डेय, किरण बाला पाण्डेय, नीना मोहन श्रीवास्तव , मीरा सिन्हा, जया मोहन श्रीवास्तव, ज्योतिर्मय श्रीवास्तव, एवं नवोदित रचनाकार हर्षित उपस्थित रहें। इस परिचर्चा में प्रयागराज के सभी साहित्यकारों नें उनकी इस पुस्तक पर अपने विचार व्यक्त किये। 'डॉ वीरेंद्र कुमार तिवारी' ने इस किताब पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिकता और अपसंस्कृति की चकाचौंध से चुँधियायी आँखों वाले समाज को अँधेरे से उजाले की ओर लेजाने वाली कहानियों का संग्रह श रिश्तों का अन्तर्नाद श वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमा राय जी की अनूठी कृति हैप्रेमा जी ने भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व करुणा , दया , प्रेम , सहजता , सौम्यता , त्याग आदि मानवीय मूल्यों को त्यागकर स्वच्छन्द और अमर्यादित जीवन–शैली अपनाने वालों के जीवन की अशान्ति का दिग्दर्शन कराया है । श्प्रेमा जी की कहानियाँ भारतीय संस्कृति की उदात्तता को अपनाने की प्रेरणा देती हैं 'रंजन पाण्डेय' ने कहा कि ष रिश्तो का अंतर्नादष प्रेमा राय द्वारा रचित 10 कहानियों का गुलदस्ता है। स्त्री– विमर्श, रिश्तो की संवेदना, सामाजिक यथार्थ और चेतना को प्रभावी ढंग से विश्लेषित करती हुई ये कहानियाँ कहानी की कलावादी सोच और विचारों के भार से मुक्त होने के कारण पाठकों के साथ आसानी से कनेक्ट कर लेती हैं। 'जया मोहन श्रीवास्तव' ने कहा मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है मन का अंतर्नाद कहानी संग्रह वरिष्ठ लेखिका प्रेमा राय द्वारा रचित रिश्तो का अंतर नाद कहानी संग्रह में दस कहानी है। सभी कहानी मानवीय संवेदनाओं,को परिलक्षित करती है। सभी कहानी समसामयिक जीवन शैली पर आधारित है। कभी ये कहानियां आंखे नम करती है तो कभीअपने अस्तित्व के लिए समाज से प्रतिवाद करती है।हर कहानी का पात्र अपने आस पास का लगता है। शब्दों की सुंदर संरचना में बंधी ये सभी हृदयग्राहि है।दो तीन कहानी पत्र शैली में लिखी गई है। इनमें रोचकता,है।ये समस्याओं को दर्शाती है और उनका समाधान भी देती है।अपना घर से लेकर उजाले की ओर तक की सभी कहानी एक से बढ़ कर एक है ।इस समय खो रहे मानवीय मूल्यों को समाज तक पहुंचाने जैसे दया, करुणा, अपनापन,ममता,सक्षम है। 'संजय सक्सेना' नें कहा कि जीवन के 84 वसंत देख चुकी, पूर्व सहायक शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश, साहित्यकार प्रेमा राय जी के कहानी संग्रह षरिश्तों का अंतर्नादष एक ऐसा कहानी संग्रह है, जो कि सोच में पीढ़ियों के अंतर को खत्म करते हुए नए जमाने की सोच, परिवेश से तालमेल रखते हुए, क्षेत्रिये सीमाओं के बाहर का बखूबी आंकलन करते हुए लिखा गया है। कहानियां के माध्यम से लेखिका ने जहां एक तरफ, प्रेम की वास्तिविकता, संस्कारो की जरूरत, माँ के ममत्व, बुजुर्गों के सम्मान, महिलाओं की अस्मिता, समाज के प्रति जिम्मेदारी, आदि की जरूरत पर बल दिया है वही दूसरी तरफ दुनियावी आडंबर, अत्यधिक खुली सोच, पुत्री के गृहस्थ जीवन मे अनुचित दखल, भावनाओ में लिये गए गलत निर्णय, उनके परिणाम आदि के प्रति बखूबी आगाह भी किया है। 'किरण बाला पाण्डेय' ने कहा कि प्रेमा जी ने मौजूदा दौर में चल रही परिवर्तन की अजीबोगरीब तेज हवा की पड़ताल की है जो पश्चिमी देशों से चलकर हमारी भारतीय संस्कृति,परम्पराओं,क्रमागत विश्वास और हमारे सामाजिक मूल्यों पर तेजी से दस्तक दे रही है। परिणामतः संयुक्त परिवार विघटित होते जा रहे हैं,जीवन शैली भावना विहीन मार्ग की ओर अग्रसर होती जा रही है। अपनी कहानियों के माध्यम से उन्होंने नई पीढ़ी को सार्थक संदेश देने का सफल प्रयास किया है कि परिवर्तन के दौर में वे कैसे सामंजस्य भाव से अपने पारंपरिक मूल्यों कीऐ रक्षा करते हुए नयी दुनियां के वातावरण में अपने को समाहित करें। 'रचना सक्सेना' ने कहा कि प्रेमाराय जी द्वारा लिखी गयी यह पुस्तक दस रोचक कहानियों का कहानी संग्रह है। जिसके माध्यम से उन्होने समाज में बिखरते हुए परिवार, रिश्तो के बीच पनपती हुई कटुता और पाश्चात्य संस्कृति का भारतीय संस्कृति पर पड़ने वाले दुष्परिणामों को चित्रित करनें का सफल प्रयास किया है। इस पुस्तक में सशक्त पात्रों की भूमिका और आकर्षक कथानक तथा जीवंत एवं रोचक परिवेश काफी प्रभावशाली है सभी कहानियों में रोचकता है जोकि पाठक को शुरु से अंत तक बाँधे रखती है। कहानियों के पात्र ऐसे लगे जैसे वह सभी

पात्र अपने आस – पास के ही हो। कहानियों का कथानक इतना मजबूत और रोचक है कि वह पाठक में शुरु से अंत तक उत्सुकता बनाए रखता है। हर कहानी प्रेरणाप्रद और शिक्षाप्रद है। 'ज्योतिर्मय श्रीवास्तव' ने कहा कि प्रेमाराय जी की कहानियाँ उनकी संवेदनाओं की अभिव्यक्तियाँ हैं।पहली कहानी "अपना घर "मानवीय मूल्यों और रिश्तों को जोड़ती मैं से हम में जुड़ती एक गहरे यथार्थ बोध को दर्शाती है ।ज़िन्दगी में जितना बिखराव होता है उतना कसाव भी ।प्रेमा जी विभिन्न रंगों को भिन्न कलेवर में आकार देती अपनी कहानियों में सशक्त किरदारों केमाध्यम से जीवन की सच्चाईयों को तराशती हैं ।उनका सच हम सबका सच बन जाता है ।और उनकी हर कहानी से हम गहरा जुड़ाव महसूस करते हैं ।प्रेमा जी ने अपनी कहानियों में महिला पात्रों को एक ख़ास पहचान दी है ।उनके भीतर जो उहापोह है उसके मनोवैज्ञानिक पहलुओं को बहुत गहराई के साथ उकेरा है ।निश्चय ही उनका कहानी संग्रह पाठकों के साथ एक गहरा रिश्ता बनायेगा । 'मीरा सिन्हा' नें कहा कि रिश्तो का अन्तर्नाद की कहानियाँ पढने के बाद मुझे पता चला कि नारी पत्नी प्रेमिका बहन माँ आदि रूपो मे रिश्तो का अन्तर्नाद ही सुनती है। हर रूप मे वह छली जाती है उसका शोषण होता है सभी कहानियां संग्रहणीय और पठनीय है और कुछ सोचने पर मजबूर करती है नारी विमर्श होने पर भी सभी की कथावस्तु एक दूसरे से अलग है। 'गीता सिंह' नें कहा कि रिश्तों का अंतर्नाद कहानी संग्रह भारतीय मूल्यों के संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों के पोषण का संवाहक है। अंतर्नाद कहानी संग्रह वर्तमान में हमारे समाज के लिए संजीवनी बूटी सदृश है।।लेखिका प्रेमा राय का कहानी संग्रह षरिश्तों का अंतर्नादष में सामाजिक पारिवारिक संबंधों का सघन ताना बाना है। आशा– निराशा के हिंडोले पर झूलता हुआ पाठक अंततः सुखद अनुभूति करता है।सभी कहानियां सोद्देश्य और शिक्षाप्रद हैं। भावों का प्रवाह इतना प्रबल है कि पढ़ते हुए पाठक बहुत दूर तक बह जाता है।कथा प्रवाह में कही भी अवरोध नहीं।शब्द चयन कहानी के अनुकूल है।लेखिका भारतीय जीवन मूल्यों की पक्षधर हैं। परवरिश में परिवार की बहुत बड़ी भूमिका होती है। 'नीना मोहन' ने कहा "रिश्तों का अन्तर्नाद" कहानी संग्रह प्रेमा राय जी द्वारा रचित है, जो अपनें आप में एक अनमोल कृति है और रिश्तों के विभिन्न प्रतिरूपों का एक गुंचा सदृश है। इस कृति की पहली कहानी "अपना घर" भौतिकता और वैभव को ममत्व,पारिवारिक रिश्तों पर हावी होती कृत्तिमता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करती है, जब माता–पिता बच्चों की परवरिश विदेशी संस्कृति में रंग कर अपनीजड़ों से दूर होकर करने पर आमादा हैं।कहानी "अस्मिता" प्रायरू घरों में देखी जा सकती है, जहाँ दिन–रात घर–परिवार के लिए खटनें वाली पत्नी, माँ का निरादर और तिरस्कार आम बात है। कहानी "बेरंग इन्द्रधनुष", "रिमोट कंट्रोल", "रिश्तें" और "उजाले की ओर" में विदेश प्रवास और वहाँ की कृत्रिम चमक–दमक तथा माता–पिता को छोड़कर विदेश में बसनें वाले बच्चों की बात और मां–बाप से मुंह मोंड़नें वाली संतानों द्वारा केवल सम्पत्ति बंटवारे के समय स्वदेश लौटनें की बड़े गठीले और सटीक शब्द–विन्यासों से वर्णित कहानियाँ मन–मस्तिष्क को झिंझोंड़ती हैं। 'हर्षित कुमार' ने कहा कि "रिश्तों का अन्तनाद" पढ़ना मानो अपने ही भीतर झाँकने जैसा अनुभव है। यह संग्रह हमें सिखाता है कि हर रिश्ता शब्दों से नहीं, संवेदनाओं से जिया जाता है। प्रेमा राय जी की लेखनी भावनाओं की वह मधुर प्रतिध्वनि है जो मन में देर तक बजती रहती है। यह पुस्तक हिंदी कथा–साहित्य में एक जीवंत और आत्मीय उपस्थिति दर्ज करती है और जहाँ साहित्य जीवन बनकर साँस लेता है। अंत में 'प्रेमाराय' ने अपनी पुस्तक पर हो रही परिचर्चा में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि मेरी कहानी संग्रह पुस्तक "रिश्तों का अन्तर्नाद" की परिचर्चा से जुड़े योग्य साहित्यकारों के प्रश्नों के उत्तर में मेरा वक्तव्य निम्नवत् है।

आज पारिवारिक एवं सामाजिक संदर्भ में टूटते बिखरते रिश्ते, सामाजिक दुराचार ,भारतीय संस्कार और संस्कृति को लेकर भटकती हुई युवा पीढ़ी ,सास बहू के संबंधों में मायके वालों का अनावश्यक हस्तक्षेप , विदेश जाकर वहां की संस्कृति में रम जाना और मां–बाप की उपेक्षा करना, बलात्कार तथा प्रणय का पवित्रतम रूप जैसे विषयों को लेकर मैंने अपनी यह कहानी लिखी है । मेरा मानना है कि हम वरिष्ठ नागरिक साहित्यकार समाज को सही दिशा दिखाने के लिए अपनी लेखनी का प्रयोग बहुत अच्छी तरह कर सकते हैं।

हम समाज के लिए आज भी बहुत उपयोगी हैं । आवश्यकता है विषय के आकर्षक ढंग से प्रस्तुति की।

हम साहित्य को घटनाओं का दर्पण बनाकर समाज को बहुत कुछ दे सकते हैं और ऐसा हमारा समृद्ध साहित्यिक अतीत कहता है। यद्यपि आजकल पढ़ने की ओर हमारी युवा पीढ़ी का रुझान बहुत कम हो गया है क्योंकि हमारे स्कूलों में और सामाजिक स्थलों में भी ऐसा साहित्य जल्दी उपलब्ध नहीं होता, जो हृदय को प्रभावित कर सके।उसके स्थान पर विभत्स , कुत्सित, भोगवादी, विलासकारी , अश्लीलता प्रधान मनोरंजक सामग्रियां , जो सहज रुप से प्राप्य हैं , आ गई है।

आज प्रेमचंद, जय शंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, चंद्रधर शर्मा गुलेरी, सुदर्शन, अमृता प्रीतम, शिवानी आदि जैसे कहानीकार और गीतकारों की कमी अवश्य हो गई है।

आवश्यकता है उनकी भरपाई करना और अपनी युवा पीढ़ियों को सही दशा और दिशा दिखाने की।

हमारी सही सोच, सही साहित्य, सही कार्य प्रणाली, इस देश के उत्थान में अपना सकारात्मक योग प्रदान कर सकती है।

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी का टॉलीवुड में 'धमाका'

महेश बाबू के भतीजे संग करेंगी डेब्यू

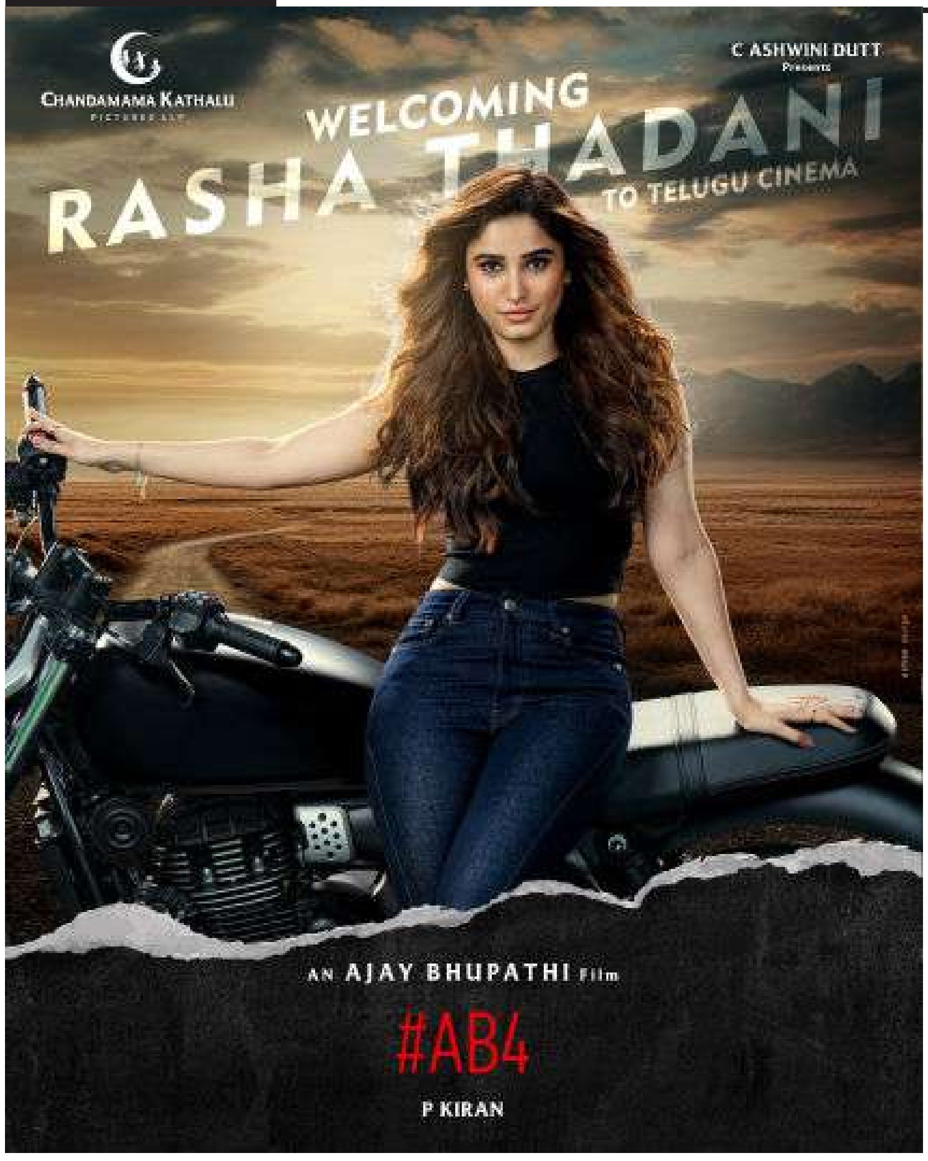

इस साल की शुरुआत में आज़ाद से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने अपनी तीसरी फिल्म साइन कर ली है। वह महेश बाबू के भतीजे जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ तेलुगु सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अनन्या पांडे और जान्हवी कपूर के दक्षिण भारतीय सिनेमा में हालिया प्रवेश के बाद, राशा अब टॉलीवुड में कदम रखने वाली नवीनतम युवा बॉलीवुड अभिनेत्री हैं। वह अजय भूपति की एक गहन प्रेम कहानी में नवोदित अभिनेत्री जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ अपनी शुरुआत करेंगी।

राशा थडानी जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ तेलुगु में डेब्यू करेंगी

महेश के भतीजे, उनके बड़े भाई, दिवंगत रमेश बाबू के बेटे, जया कृष्ण, टॉलीवुड में अपने बड़े डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 9 नवंबर को, अजय ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि वह इस नवोदित अभिनेता की पहली फिल्म का निर्देशन करेंगे। उन्होंने एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर लिखा, ष्एक बेहतरीन कहानी के साथ बड़ी ज़िम्मेदारी भी आती है... अपनी अगली फिल्म के माध्यम से रुश्रंलंझतपीदंळींजजंउंदमदप को पेश करते हुए रोमांचित और सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। पहाड़ों के बीचों–बीच, एक कच्ची, गहन और यथार्थवादी प्रेम कहानी, रु।ठ4 के शीर्षक की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

राशा थडानी उई अम्मा से प्रशंसकों की पसंदीदा बन गईं

राशा थडानी जनवरी 2025 में अपनी पहली फिल्म, आज़ाद की रिलीज़ के दौरान अपनी पढ़ाई और बॉलीवुड में अपनी शुरुआत दोनों को एक साथ संभाल रही थीं। प्रशंसकों ने आज़ाद के ''उई अम्मा'' ट्रैक में उनके अभिनय को और भी ज़्यादा पसंद किया। वह वर्तमान में मुंज्या फेम अभय वर्मा के साथ लाइकी लाइका में काम कर रही हैं। AB4 के साथ, राशा थडानी बॉलीवुड और दक्षिण दोनों में अपनी मजबूत पकड़ बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं।

शादी के एक साल बाद मीरा वासुदेवन ने किया तलाक का ऐलान, बोलीं– मैं अगस्त 2025 से सिंगल हूं

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में सेलेब्स की शादी और फिर तलाक आम हो गया है। इस साल में कई टीवी कपल्स के अलग होने की खबरों ने फैंस को हैरान कर दिया। इसी बीच अब फेमस एक्ट्रेस मीरा वासुदेवन ने भी अपने तलाक का ऐलान किया है। एक्ट्रेस शादी के साल भर बाद अपने सिनेमेटोग्राफर पति विपिन पुथियानकम से अलग हो गई हैं। जैसे ही उनके तलाक की खबर सोशल मीडिया पर सामने आई, उनके फैंस हैरान रह गए हैं। मीरा वासुदेवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने तलाक की पुष्टि करते हुए अपनी एक फोटो शेयर की, जिसमें वह खुले बालों और माथे पर बड़ी बिंदी लगाए काफी सुकून में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट में उन्होंने कंफर्म करते हुए लिखा–ष्मैं, एक्ट्रेस मीरा वासुदेवन, आधिकारिक तौर पर घोषणा करती हूं कि मैं अगस्त 2025 से सिंगल हूं। मैं अपने जीवन के सबसे अद्भुत और शांतिपूर्ण चरण में हूं। मीरा के इस पोस्ट पर लोगों के खूब रिएक्शन सामने आ रहे हैं। मीरा वासुदेवन और विपिन पिछले साल मई में कोयंबटूर में शादी की थी। यह मीरा की यह तीसरी शादी थी, जिसके चलते वो काफी चर्चा में रहीं। विपिन सेसे पहले मीरा की शादी एक्टर जॉन कोकेन से हुई थी, जिनसे उनका एक बेटा अरिहा हुआ। वहीं, मीरा और विपिन की पहली मुलाकात सीरियल कुडुम्बविलक्कु के सेट पर हुई थी, जहां दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई और उन्होंने शादी कर ली। वहीं, अब विपिन से तलाक के बाद एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम से शादी की सभी फोटो और वीडियो डिलीट कर दिए हैं।

पुलकित सम्राट की फिल्म राहु केतु होगी 16 जनवरी 2026 को रिलीज

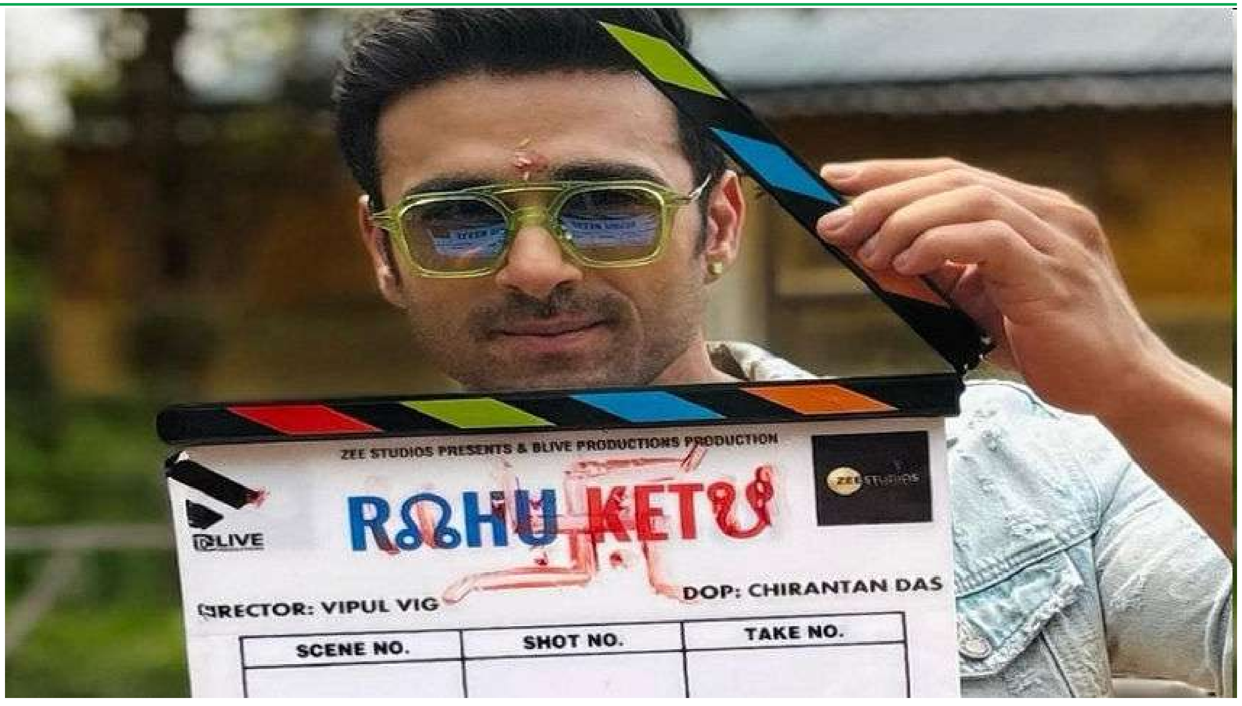

पुलकित सम्राट अपनी आगामी फिल्म श्राहु केतुश के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं, जो रिलीज होगी अगले साल की शुरुआत में, यानी कि 16 जनवरी 2026 को। पुलकित की इस घोषणा ने उनके फैंस, खासकर फुकरे के दर्शकों में जबरदस्त उत्साह फैला दिया है, जो पुलकित को एक नए, दमदार अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। सालों से अपनी बेहतरीन एक्टिंग और प्यारी स्क्रीन प्रेजेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाले पुलकित अब श्राहु केतुश के साथ एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। यह फिल्म उन्हें एक पावर–पैक्ड, मास–अपीलिंग किरदार में पेश करेगी, जो उनके दर्शकों के दिलों में सीधा उतरने वाला है। फिल्म की खास बात यह है कि इसमें फुकरे फ्रैंचाइजी की पसंदीदा जोड़ी, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा एक बारे फिर अपने मजेदार अंदाज से दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। गौरतलब है कि पुलकित के लिए श्राहु केतुश एक ऐसी फिल्म है, जो कॉमेडी, फैंटेसी, ड्रामा और रोचक कहानी को मिलाकर बनाई गई है, और उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का शानदार मौका देती है। विपुल विग द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण जी स्टूडियोज और बीलाइव प्रोडक्शंस ने किया है। साथ ही फिल्म में पुलकित के साथ महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ रहे वरुण शर्मा भी अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जाने जाते हैं। इनके साथ ही इस फिल्म में शालिनी पांडे भी नजर आएंगी, जिन्होंने अपनी पिछली फिल्मों में दमदार प्रदर्शन के जरिए दर्शकों को प्रभावित किया है। हालांकि 16 जनवरी 2026 रिलीज डेट तय होने के साथ ही यह उम्मीद भी जग गई है कि 2026 में रिलीज होने जा रही श्राहु केतुश के साथ न सिर्फ पुलकित सम्राट अपनी शानदार और धमाकेदार वापसी करेंगे, बल्कि इस फिल्म के साथ फिल्मों के नजरिए से नए साल की शानदार शुरुआत होगी, जो सिनेमा प्रेमी दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगी।

'गुस्ताख इश्क' में प्यार और शायरी का खूबसूरत संगम, ट्रेलर हुआ रिलीज

मेरा लहजा कैक्टस–सा खुरदुरा, तेरी बातें रात–रानी की तरह गम कोई देना है तो दे दे मुझे, दिल में रख लूंगा निशानी की तरह एक ऐसी शायरी जिसने वाह–वाह की गूँज पैदा कर दी जब गुस्ताख इश्क कुछ पहले जैसा के मेकर्स ने अपना ट्रेलर जारी किया। विभु पुरी द्वारा निर्देशित और मनीष मल्होत्रा कै जंहम5 च्तवकनबजपवद के पहले सिनेमाई प्रोडक्शन के रूप में, गुस्ताख इश्क एक चलता–फिरता प्रेम–पत्र है शायरियों और काव्यात्मक सुकून से भरा, जो

आपको ठहरकर सुनने और महसूस करने पर मजबूर करता है। ऐसे समय में जब दर्शक शायद ही शायरियों और क्लासिक कविता के जादू की ओर लौटते हैं, गुस्ताख इश्क सबको पुरानी मोहब्बत के जज्बात के नीचे एकजुट कर रहा है जहाँ शायरियां बातचीत की तरह बहती हैं, संगीत सीधे दिल को छूता है, और रोमांस चाहे 'पुराने जमाने की मोहब्बत' हो या 'डिजिटल प्यार' फिल्म की असली भाषा बन जाता है। आज के दौर में जहाँ लव स्टोरीज रील्स, डिजिटल स्लैंग और तेज कट्स में लिपटी मिलती हैं, गुस्ताख इश्क एकदम धीमे, लिरिकल रास्ते पर चल पड़ती है। फिल्म के संवाद, चुपके से डाली गई निगाहें, शायरियां और वह गहरी पुरानी महक यह बात साफ कर देती है कि मोहब्बत अब भी वही है, बस अंदाज बदल गया है। गुस्ताख इश्क दवेजंसहपं और आज की पीढ़ी के बीच की खाई को पाटती है, और इसी वजह से यह मनीष मल्होत्रा के लिए एक बेहतरीन पहला प्रोडक्शन बनती है। लीड एक्टर्स की केमिस्ट्री मविितजसमेसल बहती है ज्यादा महसूस होती है, कम दिखाई देती है। विशाल भारद्वाज के सुमधुर संगीत और गुलजार के गहरे बोलों के साथ लगता है कि फिल्में अपनी खोई हुई 'आवाज' फिर पा रही हैं। मनीष मल्होत्रा गुस्ताख इश्क दृ कुछ पहले जैसा में नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और शारीब हाशमी को एक ही छत के नीचे लेकर आए हैं। अपने भाई दिनेश मल्होत्रा के साथ जंहम5 च्तवकनबजपवद के तहत निर्मित यह फिल्म, विभु पुरी के निर्देशन में, पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की ढहती कोठियों की पृष्ठभूमि में पनपती एक मार्मिक मोहब्बत और अनकहे जज्बातों की कहानी है। फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

बार एग्जाम में फेल होने पर छलका किम कार्दशियन का दर्द, तैयारी का वीडियो शेयर कर बोलीं– यह निराशाजनक था, लेकिन अंत नहीं

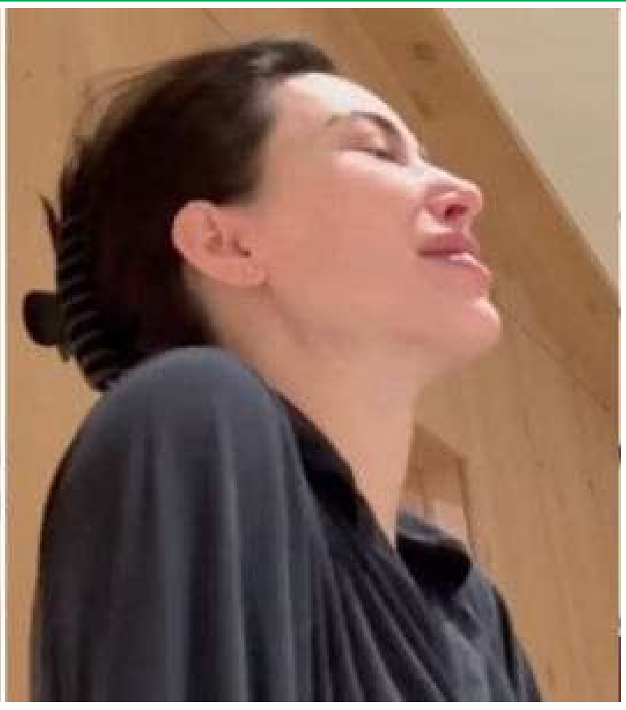

एक्ट्रेस किम कार्दशियन हॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी–मानी एक्ट्रेस हैं। उनकी फैन फॉलोइंग न सिर्फ हॉलीवुड तक ही सीमित है, बल्कि दुनियाभर के फैंस उनके दीवाने हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस को खुद से जुड़े अपडेट देती रहती हैं। वहीं, अब हाल ही में नए पोस्ट में किम ने कैलिफोर्निया बार एग्जाम में पास न हो पाने पर अपना दुख जाहिर किया और परीक्षा के कुछ हफ्तों पहले अपनी तैयारियों की झलक दिखाई है। दरअसल, किम कार्दशियन पिछले कुछ महीनों से वकील बनने के लिए कैलिफोर्निया बार एग्जाम की तैयारी कर रही थीं, लेकिन वो एग्जाम में फेल हो गईं, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद अपने फैंस को दी थी। अब एक्ट्रेस ने खुद बार एग्जाम से दो सप्ताह पहले का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने पढ़ाई के प्रेशर और अपने खराब स्वास्थ्य का जिक्र किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि इन बाधाओं के बावजूद, उन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने पर अपना ध्यान केंद्रित रखा। वीडियो में एक्ट्रेस ने परीक्षा से एक दिन पहले बोला– 'मुझे हर चीज बहुत अच्छी लग रही है। मेरा शरीर अच्छा महसूस कर रहा है, पिछले दिनों की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर। मुझे अच्छा लग रहा है, मानो मैं पूरी तरह तैयार हूं।'इस वीडियो को शेयर करते हुए किम कार्दशियन ने कैप्शन में लिखा, 'मैंने इस सफर के बारे में आपके साथ बहुत कुछ शेयर किया है। इस गर्मी में मैंने पढ़ाई के आखिरी दो हफ्तों को रिकॉर्ड किया है। उतार–चढ़ाव और बीच की हर बात। 7 नवंबर को मुझे पता चला कि मैं बार की परीक्षा पास नहीं कर पाई। यह निराशाजनक था, लेकिन यह अंत नहीं था। यह सपना मेरे लिए इतना मायने रखता है कि मैं इससे दूर नहीं जा सकती, इसलिए मैं पढ़ाई जारी रखूंगी, सीखती रहूंगी, और तब तक खुद को निखारती रहूंगी जब तक मैं वहां तक नहीं पहुंच जाती।' किम कार्दशियन भले ही बार एग्जाम पास करने में नाकाम रहीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी है। अपने हालिया पोस्ट में उन्होंने साफ किया कि वे फिर से कड़ी मेहनत करेंगी और तब तक करेंगी जब तक वह अपना मुकाम हासिल नहीं कर लेती।

घर पर कार्टन और डिस्पोजल से बनाएं खूबसूरत विंड चाइम्स, ठहर जाएगी हर किसी की नजर

अक्सर त्योहार पड़ने पर हम सभी अपने घरों को सजाते हैं। हालांकि मार्केट में आपको घर की सजावट के लिए एक से बढ़कर एक शोपीस मिल जाएंगे। लेकिन अक्सर हमारे मन में एक बात जरूर आती है कि मार्केट से सामान खरीदने पर उनका डेकोरेटिव आइटम्स कहीं अड़ोसी–पड़ोसी से न मैच हो जाए। इसलिए ज्यादातर फोकस इस बात पर रहता है कि घर के साथ ही सजावट का सामान भी अलग और यूनिक होना चाहिए। ऐसे में आज हम आपकी इस परेशानी को दूर करने के लिए एक बेहद शानदार तरीका बताने जा रहे हैं। दरअसल, आप चाहें तो घर पर ही कुछ डेकोरेटिव आइटम्स बना सकते हैं, जैसे– कार्टन, डिस्पोजल और सफेद मोतियों की मदद से आप घर पर बड़ी आसानी से विंड चाइम्स बना सकते हैं। इसमें सबसे अच्छी बात यह है कि यह आपका यूनिक पीस लगेगा और इसको बनाने में ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करने होंगे।

विंड चाइम्स बनाने की सामग्री

टी कप डिस्पोजल

सफेद मोती

कार्टन

राउंड शेप कांच

कलर और धागे

डिस्पोजल करें तैयार

सबसे पहले टी कप वाले डिस्पोजल को अपने पसंद के हिसाब से पेंट कर लीजिए। अब थोड़ी दूर–दूर पर कांच लगाकर आसपास सफेद कलर की बिंदी–बिंदी बना लीजिए। फिर डिस्पोजल के ऊपर–नीचे ट्रायंगल शेप में डिजाइन बनाइए। इस तरह आपको 7 डिस्पोजल डिजाइन करने हैं। इसके बाद सबको अलग–अलग सफेद मोती लगे धागों से अलग–अलग बांध दें।

ऐसे बनकर हो जाएगा तैयार

आखिरी में एक राउंड शेप कार्टन लेकर उसे डिस्पोजल वाले कलर से ही पेंट कर लीजिए। अब 7 डिस्पोजल के लिए कार्टन में 7 छेद कर लीजिए। अब इन छेदों में डिस्पोजल के धागों को डालें और इसे इस तरही के बांधें कि एक छोटा तो दूसरा उससे बड़ा और तीसरा उससे बड़ा हो। इस तरह करके आपको सभी को एक दूसरे से बड़े रखना है। इस आसान तरीके से खूबसूरत विंड चाइम्स बनकर तैयार हो जाएगा।

दिल की सेहत के लिए अपनाएं ये आदतें, हार्ट अटैक का खतरा हो जाएगा कम

दिल हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लगातार धड़कते हुए हमें जीवन देता है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में युवाओं में हार्ट अटैक और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा है। खासकर 30–40 की उम्र के लोग अधिक प्रभावित हो रहे हैं। खराब जीवनशैली, अनहेल्दी खानपान, और तनाव जैसे कारण दिल की सेहत पर बुरा असर डालते हैं। फिर भी, कुछ ऐसी आदतें हैं, जो दिल को स्वस्थ बनाए रखती हैं और हार्ट अटैक का खतरा कम करती हैं।

किन आदतों से दिल की सेहत बनी रहती है?

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं

आजकल की जीवनशैली में देर रात तक जागना, सुबह देर से उठना, और फास्ट फूड खाना आम हो गया है। ऐसे में शरीर को आराम नहीं मिल पाता और धीरे–धीरे मोटापा, ब्लड प्रेशर, और डायबिटीज जैसी समस्याएं जन्म लेने लगती हैं। जो लोग समय पर सोने और जल्दी उठने की आदत अपनाते हैं, उनके शरीर की एनर्जी और मेटाबॉलिज्म बेहतर रहते हैं। स्वस्थ जीवनशैली में संतुलित दिनचर्या शामिल होती है, जैसे कि पर्याप्त आराम, उचित व्यायाम, और स्वस्थ खानपान। इसका पालन करने से दिल की सेहत लंबे समय तक अच्छी बनी रहती है और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

संतुलित आहार का सेवन करें

स्वस्थ दिल के लिए संतुलित आहार का सेवन बेहद आवश्यक है। ऐसा आहार जिसमें विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स हों, वह दिल की सेहत के लिए लाभकारी होता है। संतुलित आहार में फलों और सब्जियों के साथ, साबुत अनाज और ओमेगा–3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थ जैसे मछली और नट्स शामिल करें। ये चीजें न केवल दिल को मजबूती देती हैं बल्कि खराब कोलेस्ट्रॉल को भी कम करती हैं, जिससे धमनियों में रुकावट नहीं होती और ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है।

नियमित एक्सरसाइज करें

दिल को स्वस्थ रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। व्यायाम करने से दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और पूरे शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है। रोजाना 30 मिनट की वॉक, जॉगिंग, साइकिलिंग, या स्विमिंग जैसी एक्टिविटीज से दिल की क्षमता बढ़ती है। एक्सरसाइज से शरीर में कैलोरी बर्न होती है और तनाव भी कम होता है, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है। इससे ह्रदय रोगों का खतरा भी कम होता है और शरीर को अधिक समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है।

तनाव को नियंत्रित रखें

जिंदगी के प्रेशर और तनाव का दिल पर गहरा असर पड़ता है। तनाव के कारण शरीर में कोर्टिसोल नामक हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे ब्लड प्रेशर और ह्रदय गति पर असर पड़ता है। जो लोग तनाव को नियंत्रित रखते हैं, उनके दिल की सेहत बेहतर रहती है। तनाव को कम करने के लिए ध्यान, मेडिटेशन, योग, और गहरी सांसें लेना उपयोगी होता है। रोजाना कुछ समय निकालकर मानसिक शांति के लिए काम करें, जैसे कि किताब पढ़ना, संगीत सुनना, या किसी शौक को समय देना। यह दिल को स्वस्थ रखने में सहायक साबित होता है।

अच्छी नींद लें

अच्छी नींद दिल की सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। जब हम सोते हैं तो दिल को भी आराम मिलता है और रक्त संचार सही रहता है। रोजाना 7–8 घंटे की गहरी नींद लेने से दिल पर तनाव नहीं पड़ता और शरीर का ऊर्जा स्तर भी बेहतर रहता है। यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के अनुसार, रात में जल्दी सोने और सुबह जल्दी उठने से हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है। अच्छी नींद का मतलब न सिर्फ समय पर सोना बल्कि बिना किसी रुकावट के गहरी नींद लेना भी है।

धूम्रपान और शराब से बचें

धूम्रपान और शराब का सेवन दिल की सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। धूम्रपान से दिल की धमनियां सिकुड़ जाती हैं और रक्त संचार बाधित होता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है। शराब का सेवन भी दिल की धड़कन को असामान्य कर सकता है और रक्तचाप बढ़ा सकता है। जो लोग इन बुरी आदतों से बचते हैं, उनका दिल स्वस्थ रहता है। धूम्रपान और शराब छोड़ने के बाद दिल की सेहत में तेजी से सुधार होता है और रक्त संचार सामान्य स्थिति में आ जाता है। इन आदतों को अपनाकर और संतुलित जीवनशैली का पालन कर, दिल को स्वस्थ रखा जा सकता है और दिल की बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों की सलाह और छोटी–छोटी हेल्दी आदतें जीवन में शामिल कर, दिल की बीमारियों से दूर रहना संभव है।

घी या ऑलिव ऑयल सेहत के लिए क्या है ज्यादा असरदार?

घी और ऑलिव ऑयल, दोनों ही स्वस्थ जीवनशैली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऑलिव ऑयल का प्रचलन हाल के वर्षों में बढ़ा है और यह यूरोप से भारत आया है। दूसरी ओर, घी भारतीय खानपान का अभिन्न हिस्सा रहा है। दोनों में से कौन अधिक फायदेमंद है, यह जानने के लिए इनकी विशेषताओं और फायदों को समझना जरूरी है।

घी और ऑलिव ऑयल में अंतर

घी में सैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं और आंतों को मजबूत बनाते हैं। दूसरी ओर, ऑलिव ऑयल में मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो दिल के लिए फायदेमंद होते हैं और सूजन को कम करते हैं। घी का उपयोग उच्च तापमान पर भी किया जा सकता है, जबकि ऑलिव ऑयल केवल 320°F तक ही सुरक्षित रहता है। इसलिए, डीप फ्राई जैसे उच्च तापमान वाले पकवानों के लिए घी अधिक उपयुक्त होता है, जबकि हल्की सब्जियों और सलाद के लिए ऑलिव ऑयल बेहतर है।

घी के फायदे

पाचन को सुधारता है

घी को पचाना आसान होता है और यह आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इसमें ब्यूटिरिक एसिड पाया जाता है, जो आंतों की सूजन को कम करता है और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सिस्टम के लिए फायदेमंद होता है। इसका नियमित सेवन पाचन क्रिया को सुचारू रखता है और अपच जैसी समस्याओं से बचाता है।

हड्डियों को मजबूत बनाता है

घी कैल्शियम और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो हड्डियों की मजबूती को बढ़ाता है। इसमें पाया जाने वाला विटामिन ज्ञ2 हड्डियों में कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाता है, जिससे हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाव होता है।

स्किन में ग्लो लाता है

घी के पोषक तत्व त्वचा को भीतर से पोषण देते हैं और त्वचा में चमक लाते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन के त्वचा को युवा बनाए रखते हैं और त्वचा को ड्राईनेस, रिंकल्स और एजिंग से बचाते हैं। इसे आप स्किन पर सीधे भी लगा सकते हैं जिससे स्किन सॉफ्ट और हाइड्रेटेड रहती है।

इम्यूनिटी को बूस्ट करता है

घी में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इसमें मौजूद ब्यूटिरिक एसिड शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या को बढ़ाता है, जो रोगों से लड़ने में मदद करते हैं। घी का नियमित सेवन शरीर को विभिन्न संक्रमणों से लड़ने में अधिक सक्षम बनाता है।

ऑलिव ऑयल के फायदे

हार्ट फ्रेंडली

ऑलिव ऑयल में मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। इसमें मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड ब्लड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे ह्रदय रोगों का जोखिम कम होता है। यह खून में बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करता है।

मोटापा नियंत्रित रखता है

ऑलिव ऑयल का नियमित सेवन शरीर में फैट के जमाव को कम करता है। इसमें पाए जाने वाले स्वस्थ फैट्स मेटाबोलिज्म को सुधारते हैं और वजन घटाने में मदद करते हैं। इसे सलाद ड्रेसिंग या हल्के खाने में शामिल करना वजन को संतुलित बनाए रखने में सहायक होता है।

सूजन को कम करता है

ऑलिव ऑयल में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो शरीर की सूजन और दर्द को कम करने में सहायक होते हैं। इसमें मौजूद ओलेओकैंथल नामक कंपाउंड प्राकृतिक दर्द निवारक के रूप में काम करता है और गठिया, जोड़ों में दर्द जैसी सूजन वाली समस्याओं से राहत दिलाता है।

ब्लड प्रेशर को संतुलित करता है

ऑलिव ऑयल में पोटेशियम, एंटीऑक्सीडेंट्स और हेल्दी फैट्स होते हैं जो ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखते हैं। इसका नियमित सेवन हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम करता है और रक्त वाहिकाओं को लचीला बनाता है। यह हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को भी कम करने में सहायक होता है। घी और ऑलिव ऑयल दोनों ही अपने–अपने ढंग से सेहत के लिए फायदेमंद हैं। दिल के मरीजों और वजन घटाने की चाह रखने वालों के लिए ऑलिव ऑयल अच्छा है, जबकि हड्डियों की मजबूती और पाचन में सुधार के लिए घी बेहतर है। अपनी आवश्यकताओं, स्वाद और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आप इन दोनों में से किसी एक का चुनाव कर सकते हैं।

महंगे-महंगे स्किन केयर में मौजूद सैलिसिलिक एसिड घर पर बनाएं, इन 2 चीजों की होगी जरूरत

स्किन केयर आजकल सभी लोग करते हैं। महिला के सहित पुरुष भी अपनी स्किन की देखभाल करते हैं। जब आप महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट खरीदते हैं तो सैलिसिलिक एसिड, विटामिन सी और कोजिक एसिड जैसे ब्यूटी एक्टिव्स देखने को जरुर मिलते हैं। अगर आप बिना पैसे खर्च किए अपने ही घर पर सैलिसिलिक एसिड तैयार करेंगे तो और बढ़िया रहेगा।

इस तरह से 2 चीजों से बनाएं सैलिसिलिक एसिड

अगर आप इसे घर पर बना लेंगे तो आपके स्किन केयर के पैसे जरुर बच जाएंगे। इसे बनाने के लिए टमाटर और कॉर्न स्टार्च का इस्तेमाल किया है। सैलिसिलिक एसिड बनाने के लिए आप एक आधा कटा टमाटर लें और उसमें कॉर्न स्टार्च डालकर अपने चेहरे पर स्क्रब करें। यह आपके स्किन से सारी गंदगी को साफ करने में मदद करता है। डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है और नई चमकदार त्वचा बनाता है।

सैलिसिलिक एसिड के स्किन के लिए फायदे

एक स्टडी मुताबिक, सैलिसिलिक एडिस का इस्तेमाल 2000 से ज्यादा सालों से अलग–अलग स्किन प्रोब्लेम्स का इलाज करने के लिए किया जाता है। वैसे सैलिसिलिक एसिड की कॉमडॉलिटिक प्रॉपर्टी इसे मुंहासे वाले रोगियों के लिए अच्छा और फायदेमंद पीलिंग एजेंट बनाता है।

संक्षिप्त

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर ‘अच्छी खबर’ तभी आएगी, जब यह उचित और संतुलित होगा : पीयूष गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर ष्आप एक अच्छी खबर सुनेंगेष जब यह समझौता निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित होगा, जैसा कि पीटीआई की एक रिपोर्ट में बताया गया है। भारत और अमेरिका मार्च से प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक छह दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। व्यापार वार्ता में कई रुकावटें आ रही हैं क्योंकि अमेरिका कथित तौर पर भारत के कृषि, डेयरी और जीएम फसलों तक पहुँच की मांग कर रहा है। गोयल ने कहा कि भारत समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों को ध्यान में रखेगा। उन्होंने इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन में कहा कि व्यापार समझौते के लिए बातचीत एक प्रक्रिया है और एक राष्ट्र के रूप में भारत को किसानों, मछुआरों और लघु उद्योगों के हितों को देखना होगा। गोयल ने कहा, “जब समझौता उचित, समानता वाला और संतुलित हो जाएगा, तो आपको अच्छी खबर सुनने को मिल जाएगी। भारत और अमेरिका मार्च से प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक छह दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि उनका यह बयान केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा यह घोषणा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों – आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल – ने अमेरिका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आयात करने के लिए एक साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रूसी तेल पर भारत की निर्भरता एक और बाधा थी, जिसके कारण ट्रम्प ने भारत पर 25प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया, जिससे कुल टैरिफ 50प्रतिशत हो गया।

रूस निर्यात के लिए जल्दी ही लगभग 25 भारतीय मछली पालन इकाइयों को मंजूरी देगा

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि रूस भारत में लगभग 25 मछली पालन इकाइयों को मंजूरी देने की तैयारी में है। इससे ये इकाइयां उस देश को आपूर्ति करने के योग्य हो जाएंगी। हाल ही में, यूरोपीय संघ (ईयू) ने निर्यात के लिए भारत से 102 अतिरिक्त समुद्री उत्पाद इकाइयों को मंजूरी दी है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, “रूस लगभग 25 मत्स्य प्रतिष्ठानों को भी मंजूरी देने की तैयारी में है।” उन्होंने कहा कि भारत अपने झींगा और मछली निर्यात में विविधता लाने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित कई अन्य देशों के साथ बातचीत कर रहा है। यह भारत के झींगा निर्यात में विविधता लाने के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क से बुरी तरह प्रभावित है। बीते वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का झींगा निर्यात 4.88 अरब डॉलर का था, जो कुल समुद्री खाद्य निर्यात का 66 प्रतिशत है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता में प्रगति के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा, “मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले महीनों में हम यूरोपीय संघ के साथ एक समझौते पर पहुंच जाएंगे। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि कुछ अंतिम मुद्दों को सुलझा लिया जाए, जिन पर अभी बातचीत चल रही है।

पेयू को सीमापार भुगतान ‘एग्रीगेटर’ के रूप में काम करने की आरबीआई से मिली अनुमति

वित्तीय प्रौद्योगिकी मंच पेयू को मंगलवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम के तहत ऑनलाइन, ऑफलाइन और सीमापार लेनदेन में भुगतान ‘एग्रीगेटर’ के रूप में काम करने की अनुमति मिल गई। भुगतान ‘एग्रीगेटर’ एक तृतीय-पक्ष सेवा है जो कंपनियों को क्रेडिट कार्ड, यूपीआई और डिजिटल वॉलेट जैसे ऑनलाइन भुगतान को विभिन्न रूप में स्वीकार करने के लिए एक एकल मंच प्रदान करती है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह मंजूरी पेयू को सभी माध्यमों से कारोबारियों के लिए सुरक्षित, अनुपालन योग्य और निर्बाध भुगतान स्वीकृति, निपटान और सीमापार समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाती है। पेयू ने कहा कि यह विकास पेयू की स्थिति को और मजबूत करता है। एक मुकम्मल डिजिटल भुगतान प्रदाता के रूप में कंपनी विभिन्न इकाइयों को ऑनलाइन, ऑफलाइन और सीमापार भुगतान को लेकर एक विश्वसनीय और निर्बाध अनुभव प्रदान करती है।

श्रीलंका को आर्थिक स्थिरता बढ़ाने के लिए एडीबी से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मिली

श्रीलंका ने आर्थिक स्थिरता को समर्थन देने के वास्ते एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के समझौते करने की मंगलवार को जानकारी दी। श्रीलंका के वित्त मंत्रालय ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता एवं सुधार, व्यापक आर्थिक मजबूती व पारदर्शिता को मजबूत करने तथा पर्यटन क्षेत्र के सतत विकास कार्यक्रम के लिए 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की तीन किस्तों में धनराशि वितरित की जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र स्थिरता एवं सुधार कार्यक्रम का मकसद श्रीलंका के केंद्रीय बैंक की नियामक क्षमता को मजबूत करना है जबकि व्यापक आर्थिक मजबूती कार्यक्रम आर्थिक एवं सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन सुधारों का समर्थन करेगा। सतत पर्यटन विकास पहल में नीति-आधारित ऋण और निवेश ऋण दोनों शामिल होंगे। इस धनराशि का एक हिस्सा त्रिंकोमाली के पूर्वी बंदरगाह जिले व मध्य प्रांत में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल ‘सिगिरिया’ के आसपास पर्यटन क्षमता के विकास तथा विस्तार के लिए आवंटित किया जाएगा। श्रीलंका 2022 में आए गंभीर वित्तीय संकट के बाद अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए काम कर रहा है। देश, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थित कार्यक्रम के तहत सुधारों को लागू कर रहा है। साथ ही व्यापक आर्थिक स्थिरता बहाल करने एवं विकास को पुनर्जीवित करने के लिए मनीला स्थित एडीबी और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों से समर्थन मांग रहा है।

इडेन टेस्ट हार के बाद पिच विवाद : बावुमा बोले भारत की मांग वाली परिस्थितियों में खुद को ढाला

पहला टेस्ट खत्म होते ही पूरा क्रिकेट माहौल अचानक बदल गया है। भारत को इडेन गार्डन्स में मिली 30 रन की हार ने न सिर्फ टीम की बल्लेबाज़ी पर सवाल उठाए हैं, बल्कि उस पिच पर भी बड़ी बहस छेड़ दी है, जिसे भारत ने खुद तैयार कराने की मांग की थी। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा के बयान ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, मैच के बाद बावुमा ने साफ कहा कि उनकी टीम ने उन परिस्थितियों के हिसाब से खुद को बेहतर ढंग से ढाला, जो असल में भारत ने ही तैयार करवाने का अनुरोध किया था। बता दें कि पिच शुरू से ही काफी सूखी थी और पहले दिन से स्पिनरों की मदद कर रही थी। हालांकि, पिच पर असमान उछाल और अचानक नीचे रहने वाली गेंदों ने बल्लेबाज़ों के लिए खेलना और मुश्किल बना दिया। बावुमा की 55 रन की शांत, धैर्यपूर्ण पारी इस मुकाबले का असली फर्क बनी। जहां भारत के ज्यादातर बल्लेबाज़ तेजी से आउट होते गए, वहीं बावुमा ने मुश्किल परिस्थितियों का सामना करते हुए छोटे-छोटे रनों को भी अहमियत दी। गौरतलब है कि भारत की चौथी पारी में सिर्फ 93 रन पर ढह जाना इस मैच का सबसे बड़ा मोड़ रहा है। भारत को उम्मीद थी कि रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव इस पिच का फायदा उठाएंगे, लेकिन कहानी उलटी हो गई। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर ने आठ विकेट लेकर पूरे मैच की दिशा बदल दी। भारत की बल्लेबाजी 35 ओवर भी नहीं टिक सकी और यहीं से आलोचना शुरू हो गई कि क्या जानबूझकर इस तरह की “ज्यादा टर्न लेने वाली” पिच तैयार कराना टीम के लिए नुकसानदायक साबित हुआ है। पिच को लेकर सवालों के बीच भारतीय कोच गौतम गंभीर और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली दोनों ने पुष्टि की है कि यह पिच भारत की मांग के अनुसार ही तैयार की गई थी। उनका कहना है कि टीम ने स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों की मांग की थी और क्यूरेटर ने वही किया है। बावुमा ने हालांकि इस बहस को शांत रखने की कोशिश की और कहा कि भारतीय परिस्थितियों में ऐसा होना सामान्य है। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार स्पिनरों को फायदा मिलने के साथ-साथ गेंद असमान रूप से भी व्यवहार करती है, और बल्लेबाज़ों को इसके अनुसार अपने खेल को ढालना पड़ता है। मौजूदा समय में दक्षिण अफ्रीका 1-0 से आगे है और भारत के पास वापसी का दबाव साफ दिख रहा है। दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा और टीम के सामने बल्लेबाज़ी सुधारने के साथ-साथ सही रणनीति बनाने की चुनौती भी है। यह भी देखना दिलचस्प होगा कि क्या भारत अब पिच को लेकर अलग रास्ता अपनाता है या इसी फॉर्मूले पर कायम रहता है। फिलहाल टीम के सामने सबसे बड़ा सवाल अपनी बल्लेबाज़ी की कमजोरियों को दूर करना और तेज वापसी करना है, जिसे देखते हुए अगला मैच बेहद अहम होने वाला है। सभी खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ तैयारियों पर पूरी फोकस के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इसी कारण आने वाला मुकाबला भारत की मानसिक और तकनीकी मजबूती की असली परीक्षा साबित होने वाला है। टीम प्रबंधन उम्मीद कर रहा है कि हाल की गलतियों से सीख लेकर खिलाड़ी ज्यादा जिम्मेदारी के साथ मैदान पर उतरेंगे, ताकि श्रृंखला में वापसी का मौका मिल सके हैं।

रणजी से दूरी, स्पिन बनी कमजोरी: गावस्कर ने बताई टीम इंडिया की असली परेशानी

अश्विन ने भी कही चौंकाने वाली बात

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट ने भारतीय बल्लेबाज़ों की स्पिन खेलने की कमजोरी को एक बार फिर उजागर कर दिया। गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले टीम मैनेजमेंट ने टर्निंग पिच की मांग की, लेकिन वही फैसला भारत पर भारी पड़ गया। भारतीय बल्लेबाज जिस पिच पर बढ़त बनाने की उम्मीद कर रहे थे, उसी पर बार-बार लड़खड़ाते नज़र आए। इसी प्रदर्शन को देखते हुए रविचंद्रन अश्विन ने खुलकर कहा कि अब भारतीय बल्लेबाज स्पिन के खिलाफ दुनिया में सबसे बेहतरीन नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कई पश्चिमी देशों के खिलाड़ी उनसे बेहतर हैं। अब इस बहस में दिग्गज बल्लेबाज़ सुनील गावस्कर भी कूद पड़े हैं। उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों की तैयारी, प्रैक्टिस और घरेलू क्रिकेट से दूरी पर बड़ी बात कही है।

भारतीय बल्लेबाज अब स्पिन के बेस्ट नहीं

अश्विन ने साफ कहा, ”हम इस समय स्पिन के सबसे अच्छे खिलाड़ी नहीं हैं। कई पश्चिमी टीमें हमसे बेहतर हैं, क्योंकि वे भारत आकर स्पिन की खूब प्रैक्टिस करते हैं। हम उतनी तैयारी ही नहीं करते।” अश्विन का दावा है कि भारतीय खिलाड़ी तेज गेंदबाजी तो शानदार खेल लेते हैं क्योंकि उसे चुनौती मानते हैं, लेकिन स्पिन को लेकर ऐसा दृष्टिकोण नहीं दिखता।

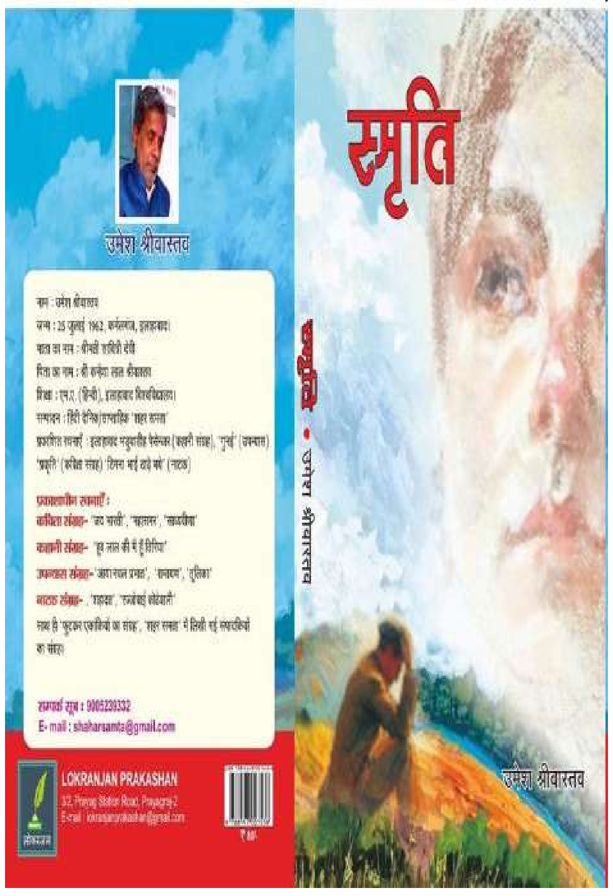

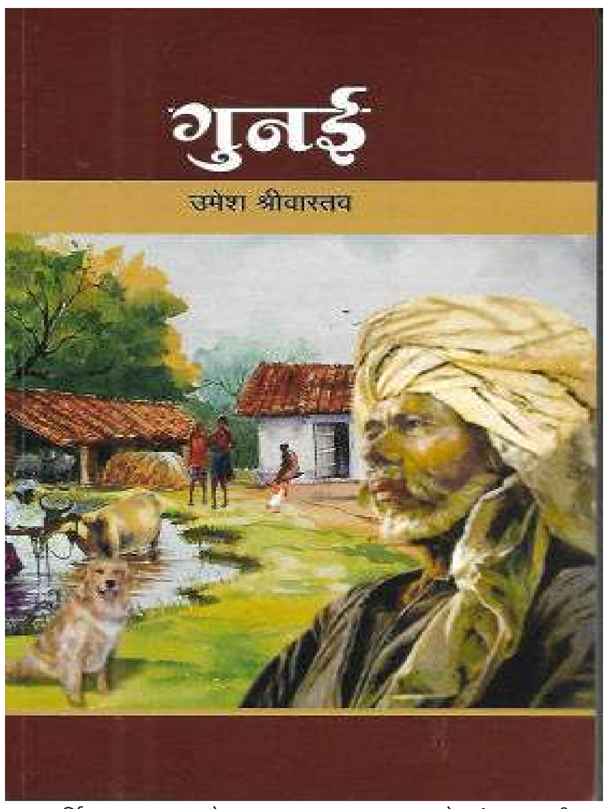

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

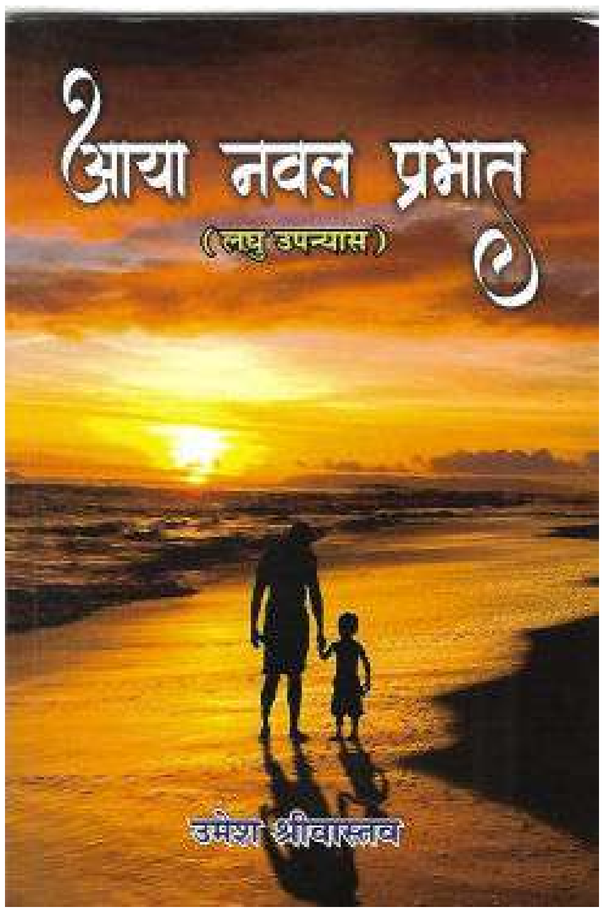

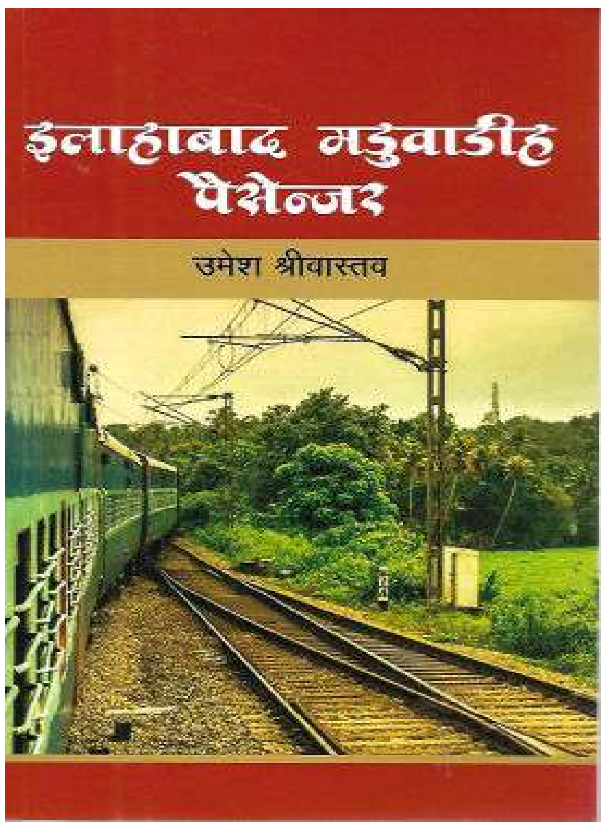

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

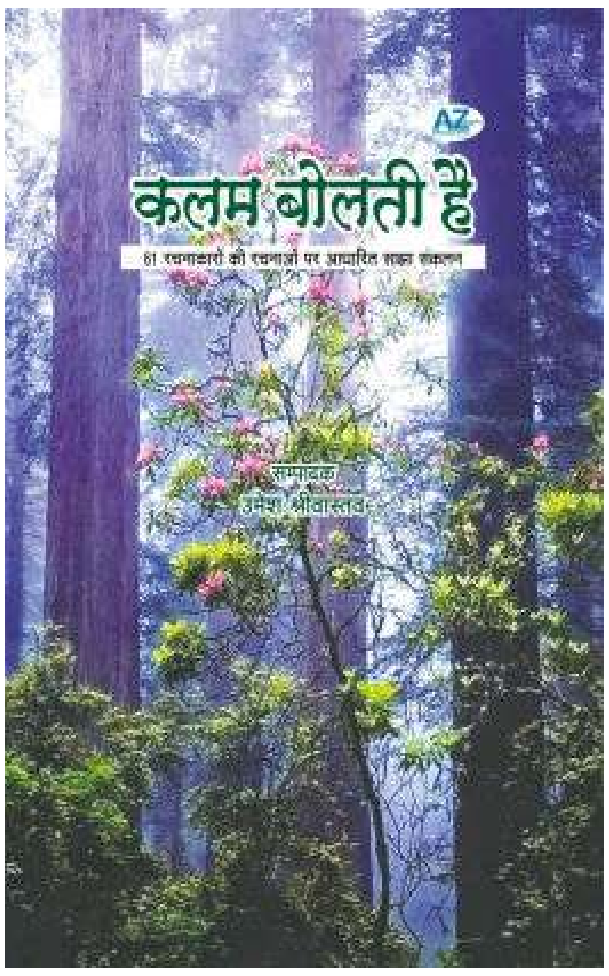

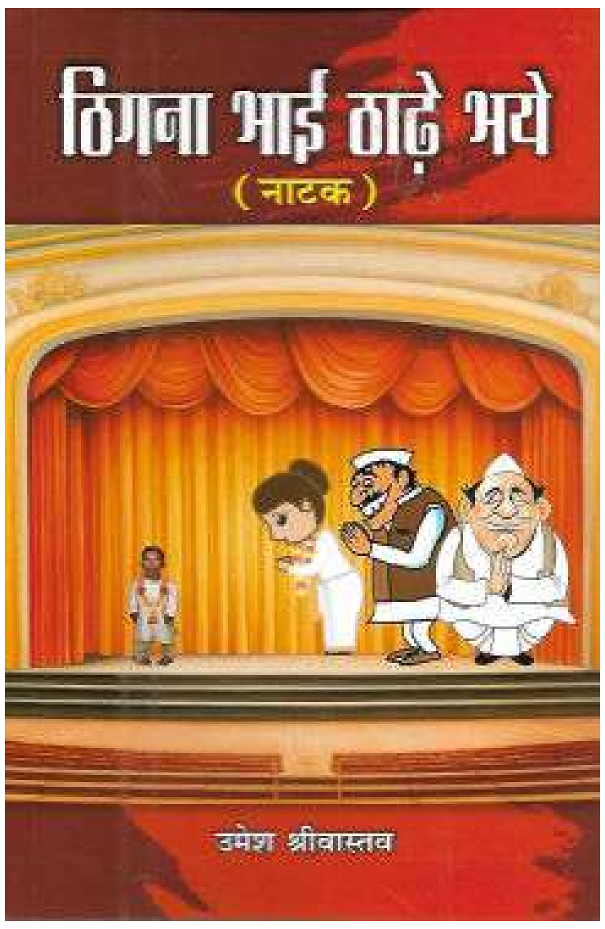

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नाइजीरियाई ब्रिगेडियर जनरल को पकड़ने और फांसी देने का दावा

इस्लामिक स्टेट समूह के आतंकवादियों ने नाइजीरियाई ब्रिगेडियर जनरल को पकड़ने और फांसी पर चढ़ाने का दावा किया है। इस्लामिक स्टेट पश्चिम अफ्रीका प्रांत के आतंकवादियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने एक नाइजीरियाई ब्रिगेडियर जनरल को पकड़कर फांसी पर चढ़ा दिया है, हालांकि नाइजीरियाई सेना ने इस दावे का खंडन किया है। इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध अल अमाक समाचार एजेंसी के एक बयान के अनुसार, नाइजीरिया के बोर्नो राज्य में वाजिरोको के पास गश्त के दौरान ब्रिगेडियर जनरल एम उबा को पकड़कर उनकी हत्या कर दी गई। नाइजीरियाई सेना ने जनरल उबा को पकड़ने से इनकार करते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि सेना मुख्यालय कुछ ऑनलाइन मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्रिगेड कमांडर के अपहरण का आरोप लगाने वाली झूठी कहानी का खंडन करना चाहता है।

जी20 में अमेरिका के शामिल न होने से द.अफ्रीका पर पड़ेगा असर

जी20 लीडर्स समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल न होने से मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका के लिए दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने यह चेतावनी दी है। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका सरकार पर श्वेत रंग के किसानों के खिलाफ जनसंहार का आरोप लगाते हुए सम्मेलन में भाग न लेने का एलान किया था। इसके बाद राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने एलान किया कि 22–23 नवंबर को होने वाला जी20 समिट जारी रहेगा।

पीपीपी सांसद राजा फैसल बने पाक अधिकृत कश्मीर के नए पीएम

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सांसद राजा फैसल मुमताज राठौर को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) का नया प्रधानमंत्री चुना गया है। सोमवार को तहरीक–ए–इंसाफ के मौजूदा प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया। यह प्रस्ताव पीपीपी सांसद कासिम मजीद ने पेश किया था। राठौर ने पीपीपी के 27 और पीएमएल–एन के 9 सांसदों का समर्थन हासिल किया। 52 सदस्यों वाली सदन में यह चौथी बार है, जब 2021 में सरकार बनने के बाद किसी प्रधानमंत्री को बदला गया है।

श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद करने वाले चीनी विद्वान सम्मानित

चीन के शंघाई में भारतीय महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने सोमवार को मशहूर चीनी विद्वान प्रो वांग झिचेंग को सम्मानित किया। माथुर ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, वांग ने चीनी भाषा में श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद किया। उनका अनुवाद 2015 में प्रकाशित हुआ था। इसे 17 बार दोबारा छापा जा चुका है। माथुर ने आगे कहा कि इस साल प्रकाशित श्रीमद्भगवद्गीता का नवीनतम चीनी संस्करण चीनी पाठकों में खासा पसंद किया गया।

पाकिस्तान के शीर्ष बैंक ने नकद डॉलर लेन-देन पर लगाई रोक

पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने अमेरिकी डॉलर के बहिर्वाह (आउटफ्लो) को रोकने और पाकिस्तानी रुपया को गिरने से बचाने के लिए व्यक्तियों को दिए जाने वाले नकद डॉलर पर सीमा लगा दी है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने बैंकों को निर्देश दिया है कि जिन ग्राहकों के पास विदेशी मुद्रा अकाउंट नहीं है, उन्हें डॉलर का कोई नकद भुगतान न करें। एसबीपी ने एक्सचेंज डीलरों को भी ग्राहकों को 500 अमेरिकी डॉलर तक ही देने का निर्देश दिया है।

ग्लोबल एडटेक अवॉर्ड के फाइनलिस्टों में दो भारत के समूह शामिल

पहले ग्लोबल एडटेक अवॉर्ड के भारतीय फाइनलिस्टों में सबसे बड़े मुफ्त ऑनलाइन परीक्षा तैयारी ऑफर और बेहतर पहुंच के लिए सर्वोत्तम अभ्यास को संहिताबद्ध करने वाला एक प्लेटफॉर्म शामिल है। भारत में अवंती फेलोज का गुरुकुल गैर–लाभकारी श्रेणी में अंतिम तीन में जगह बनाने में सफल रहा, वहीं भारत के लीड ग्रुप के लीड लर्निंग सिस्टम ने अबू धाबी में यास्मिना ब्रिटिश अकादमी में वर्ल्ड स्कूल्स समिट में मेजर श्रेणी में अपनी छाप छोड़ी।

वियतनाम में भूस्खलन की चपेट में आई बस छह लोगों की मौत

हनोई। वियतनाम के खतरनाक पर्वतीय दर्रे पर भूस्खलन एक बस मलबे में दब गई। घटना में 6 की मौत हो गई और 19 घायल हो गए। अभी एक हफ्ते और भारी बारिश की चेतावनी है। रविवार देर रात मध्य पर्वतीय क्षेत्र में खांह ले दर्रे से गुजर रही बस पर अचानक मलबा और पत्थर गिर पड़े। करीब 33 किमी लंबा यह घुमावदार मार्ग खड़ी पहाड़ियों को काटकर बनाया गया है, जो पर्यटकों में लोकप्रिय है।

प्रवासी अवॉर्ड पाने वाले प्रथम इस्राइली बेजालेल नहीं रहे

इस्राइली चरवाहे के रूप में काम करने से लेकर कृषि क्षेत्र में जाना पहचाना नाम बनने और प्रवासी भारतीय का सम्मान पाने वाले भारतीय मूल के उद्यमी एलियाहू बेजालेल का निधन हो गया है। वह 95 वर्ष के थे। बेजालेल केरल के रहने वाले थे और 1955 में 25 वर्ष की उम्र में इस्राइल आ गए। यहां भी उनका भारत से भावनात्मक संबंध बना रहा। उन्हें सह–अस्तित्व की भावना की समझ भारत से ही मिली। उन्हें 2006 में प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किया गया था जो भारत द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। वह कई अवॉर्ड जीते।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

इज़रायली हिरासत में 100 फ़िलिस्तीनियों की मौत, मानवाधिकार समूह बोला- असल संख्या कहीं ज़्यादा

अक्टूबर 2023 से अब तक कम से कम 98 फ़िलिस्तीनी इज़राइली हिरासत में मारे गए हैं, और वास्तविक संख्या संभवतः इससे भी ज़्यादा है, सीएनएन ने इज़राइल स्थित मानवाधिकार समूह फ़िज़िशियंस फ़ॉर ह्यूमन राइट्स–इज़राइल (पीएचआरआई) की नई रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया। समूह ने दावा किया कि मृतकों की संख्या लगभग निश्चित रूप से कम है क्योंकि गाज़ा में हिरासत में लिए गए कई लोग अभी भी लापता हैं। फ़िज़िशियंस फ़ॉर ह्यूमन राइट्स – इज़राइल (पीएचआरआई) की रिपोर्ट आधिकारिक इज़राइली रिकॉर्ड और सूचना की स्वतंत्रता के अनुरोधों के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है, जिसे फोरेंसिक रिपोर्टों, परिवार के सदस्यों और वकीलों के साक्षात्कारों, हिरासत में लिए गए फ़िलिस्तीनियों की गवाही, अन्य मानवाधिकार समूहों द्वारा प्रकाशित जानकारी और विशिष्ट हिरासत में लिए गए व्यक्तियों का पता लगाने के लिए अन्य व्यक्तिगत पूछताछ के साथ क्रॉस–रेफ़रेंस किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, फ़िलिस्तीनियों की हिरासत में शारीरिक हिंसा और चिकित्सीय उपेक्षा के कारण मृत्यु हुई। च्न्ट ने पाया कि युद्ध शुरू होने के बाद से इज़राइली जेल सेवा की हिरासत में 46 फ़िलिस्तीनियों की मृत्यु हुई और सीएनएन के अनुसार, कम से कम 52 फ़िलिस्तीनी सभी गाजा से इज़राइली सैन्य हिरासत में मारे गए। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि इज़राइली सेना द्वारा हिरासत में लिए गए गाज़ा के सैकड़ों फ़िलिस्तीनियों का भाग्य आज तक अज्ञात है, जिससे पता चलता है कि मौतों की वास्तविक संख्या यहाँ दर्ज की गई संख्या से कहीं अधिक होने की संभावना है। युद्ध के शुरुआती दिनों में इज़राइली अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए फ़िलिस्तीनियों के बारे में रेड क्रॉस को जानकारी देना बंद कर दिया और हिरासत केंद्रों तक पहुँच अवरुद्ध कर दी। हिरासत में हुई मौतों पर इज़राइली सेना का अंतिम सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटा मई 2024 का है, जबकि इज़राइल जेल सेवा ने आखिरी बार सितंबर 2024 में आँकड़े जारी किए थे। सीएनएन के अनुसार, तब से, PHRI ने प्रत्यक्ष साक्ष्यों और फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों पर आधिकारिक प्रतिक्रियाओं का उपयोग करके अतिरिक्त मौतों का दस्तावेजीकरण किया है।

ईरान! भारतीयों पर सख्ती, अब विदेश मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

ईरान ने भारतीय नागरिकों के लिए वीसा छूट सुविधा को 22 नवंबर से सस्पेंड कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि हाल ही में कई भारतीयों को झूठे नौकरी के वादों या अन्य देशों में ट्रांजिट के नाम पर ईरान भेजा गया। वहां पहुंचने के बाद कई लोगों को अगवा कर फिरौती मांगी गई। इसे देखते हुए अपराधी तत्वों द्वारा इस सुविधा के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए ईरान सरकार ने यह कदम उठाया है। अब आम भारतीय पासपोर्ट धारकों को ईरान जाने या वहां से होकर गुजरने के लिए वीसा लेना जरूरी होगा। यह फैसला 22 नवंबर से लागू होगा।

ईरान ने क्यों उठाया ये कदम

भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह घटनाक्रम ऐसे कई मामलों के बाद हुआ है जहाँ भारतीय नागरिकों को रोज़गार या तीसरे देशों में आगे की यात्रा का झूठा वादा करके ईरान ले जाया गया। विदेश मंत्रालय ने पहले एक चेतावनी जारी की थी और नागरिकों को याद दिलाया था कि वीज़ा–मुक्त प्रवेश केवल पर्यटन उद्देश्यों के लिए है, जो हर छह महीने में एक बार 15 दिनों के लिए वैध होता है और इसमें रोज़गार शामिल नहीं है। हालाँकि, अपराधी अक्सर बेईमान एजेंटों की मिलीभगत से भारतीयों को नौकरी के फर्जी प्रस्तावों का लालच देते रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इन लोगों को आम भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए उपलब्ध वीज़ा छूट सुविधा का लाभ उठाकर ईरान की यात्रा करने के लिए बहकाया गया था। ईरान पहुँचने पर, उनमें से कई का फिरौती के लिए अपहरण कर लिया गया।

विदेश मंत्रालय ने क्या बताया

इन घटनाओं के जवाब में ईरान ने 22 नवंबर से भारतीय नागरिकों के लिए वीज़ा छूट सुविधा को निलंबित करने का फैसला किया है। उस तारीख से,सामान्य पासपोर्ट रखने वाले भारतीय नागरिकों को देश में प्रवेश करने या वहाँ से गुज़रने के लिए वीज़ा लेना ज़रूरी होगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस निलंबन का उद्देश्य आपराधिक तत्वों द्वारा इस सुविधा के आगे दुरुपयोग को रोकना है। भारतीय यात्रियों को सख्त सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और ईरान के रास्ते तीसरे देशों में वीज़ा–मुक्त यात्रा या आगे की यात्रा की पेशकश करने वाले एजेंटों से बचें। सितंबर में ही विदेश मंत्रालय ने रोज़गार के उद्देश्य से ईरान की यात्रा के जोखिमों के बारे में चेतावनी जारी कर दी थी। एक साप्ताहिक ब्रीफिंग में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कई भारतीय नागरिक आपराधिक गिरोहों के शिकार हो गए हैं, जिन्हें आगमन पर अपहरण कर लिया गया और फिरौती के लिए बंधक बनाया गया।

बांग्लादेश में सेंसरशिप: यूनुस की अंतरिम सरकार का मीडिया को निर्देश, शेख हसीना के बयानों को न प्रकाशित करें

ढाका। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने प्रेस सेंसरशिप लागू करने की दिशा में कदम उठा लिया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को विशेष ट्रिब्यूनल की ओर से मौत की सजा सुनाए जाने के बाद यूनुस सरकार ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया संस्थानों को चेतावनी दी है कि वे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के किसी भी बयान का प्रकाशन या प्रसारण न करें। इसके पीछे तर्क देते हुए अंतरिम सरकार ने कहा है कि ऐसे बयानों से राष्ट्रीय सुरक्षा और

सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा पैदा हो सकता है। बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार के मुताबिक, नेशनल साइबर सिक्योरिटी एजेंसी (एनसीएसए) ने सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि हसीना के कथित बयानों में ऐसे निर्देश या अपील हो सकती हैं, जो हिंसा, अव्यवस्था और आपराधिक गतिविधियों को भड़का सकती हैं और सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती हैं।

इस निर्देश में कहा गया, "हम मीडिया से राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में जिम्मेदारी से कार्य करने का आग्रह करते हैं।" एजेंसी ने चिंता जताते हुए कहा कि कुछ मीडिया संस्थान दोषी और भगोड़ी करार दी जा चुकी शेख हसीना के कथित बयान प्रसारित या प्रकाशित कर रहे हैं। एनसीएसए ने कहा कि ऐसे व्यक्तियों के बयान प्रकाशित करना साइबर सिक्योरिटी ऑर्डिनेंस का उल्लंघन है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि अधिकारी राष्ट्रीय अखंडता, सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा पैदा करने वाली, जातीय या धार्मिक नफरत फैलाने वाली, या सीधे हिंसा को उकसाने वाली सामग्री को हटाने या प्रतिबंधित करने के लिए अधिकृत हैं। एजेंसी के मुताबिक, फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर या अवैध रूप से किसी सिस्टम तक पहुंचकर नफरत फैलाने वाले भाषण, जातीय उकसावे या हिंसा के लिए नफरत फैलाना दंडनीय अपराध है, जिसकी सजा दो साल तक की जेल और अधिकतम 10 लाख टका जुर्माने (या इनमें से कोई एक) तक हो सकती है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एजेंसी प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करती है, लेकिन मीडिया संस्थानों से अपील है कि वे किसी भी हिंसक, भड़काऊ या आपराधिक रूप से उकसाने वाले बयान को प्रकाशित करने से बचें और अपनी कानूनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक रहें।

अपदस्थ पीएम हसीना को एक दिन पहले ही सुनाई गई मौत की सजा

गौरतलब है कि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने सोमवार को 78 वर्षीय अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई। उनकी सरकार पर पिछले वर्ष छात्र–नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर क्रूर दमन के मामले दर्ज हुए थे। इसके बाद आईसीटी ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी ठहराते हुए अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी इसी मामले में मृत्युदंड दिया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह सिद्धांत स्थापित करता है कि कानून के सामने कोई भी शक्ति से ऊपर नहीं है। हसीना बीते वर्ष पांच अगस्त को विरोध प्रदर्शनों के बीच बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद बांग्लादेश की अदालत उन्हें भगोड़ा घोषित कर चुकी है। अपने खिलाफ ट्रिब्यूनल के फैसले पर हसीना ने बयान जारी कर आरोपों को पक्षपातपूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया और कहा कि यह फैसला एक धांधलीपूर्ण न्यायाधिकरण की ओर से दिया गया है, जिसे एक गैर–निर्वाचित सरकार ने स्थापित किया है इस सरकार के पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है।

पाकिस्तानी सेना की वजीरिस्तान की मस्जिद में बमबारी से रोष, नमाज के वक्त पख्तूनों पर हमले का आरोप

पाकिस्तानी सेना ने इस्लाम के नाम पर बने राष्ट्र में अपने ही मजहब की मस्जिदों पर बमबारी की, जिसमें दो पख्तून नागरिक घायल हो गए। पख्तून तहफ़ुज़ मूवमेंट (पीटीएम) हॉलैंड ने कहा, डोमेल स्पार्कह तहसील के जाले बनून गांव में एक मस्जिद पर अस्र की नमाज के वक्त पाकिस्तानी सेना के बमबारी करने से व्यापक आक्रोश फैल गया। हमले से स्थानीय निवासियों में भय व्याप्त हो गया और उनका संचार भी लाइनें बाधित रहने से नहीं हो सका। पीटीएम हॉलैंड ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे धार्मिक पवित्रता और मानवीय गरिमा पर सीधा हमला बताया। समूह ने इसे दशकों से चले आ रहे पाकिस्तानी राज्य के उत्पीड़न का एक नया उदाहरण करार दिया और आरोप लगाया कि पख्तून क्षेत्रों को बार–बार युद्ध की परीक्षा का मैदान बनाया गया है। क्षेत्र में इबादतगाह, घर, स्कूल, गांव, कुछ भी सुरक्षित नहीं रखा गया है। बयान में सरकार से यह स्पष्ट करने की मांग की गई है कि मस्जिद पर बमबारी किस कानून, किस युद्ध और किस मानवता के तहत की गई।

आप लोग भाग्यशाली कि मुझ जैसा राष्ट्रपति आपको मिला, ट्रंप ने अमेरिकियों को फिर बताई अपनी महानता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को घोषणा की कि अमेरिकी लोग भाग्यशाली हैं कि वे इस पद पर हैं, क्योंकि उन्होंने देश भर के परिवारों को प्रभावित करने वाले बढ़ते जीवन–यापन खर्चों की चिंताओं पर अपने प्रशासन का ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। मैकडॉनल्ड्स इम्पैक्ट समिट में ट्रम्प ने महामारी–युग की मुद्रास्फीति को संबोधित करने में अपने प्रशासन द्वारा की गई प्रगति की ओर इशारा किया, जिसके बारे में उन्होंने तर्क दिया कि

पूर्व राष्ट्रपति जो बिडेन के कार्यकाल में यह बदतर हो गई और हाल ही में डेमोक्रेटिक चुनावी लाभ में योगदान दिया। ट्रम्प ने प्रतिभागियों से कहा कि मूल्य निर्धारण के मामले में हमने जो किया है, वह किसी ने नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा कि हमने एक गड़बड़झाले को अपने हाथ में ले लिया है। यह टिप्पणी राष्ट्रपति द्वारा कर उपायों और निवेश पहलों को उजागर करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा थी, जिन्हें वे आर्थिक मजबूती से जोड़ते हैं, जबकि आलोचकों का कहना है कि उनका प्रशासन दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलें हासिल करने के प्रयासों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है। ट्रम्प ने व्यापारिक नेताओं को आश्वासन दिया कि आगे और प्रगति होगी, साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी व्यापार नीतियों ने कुछ आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ा दी है। अब हमारे यहाँ मुद्रास्फीति सामान्य है। उन्होंने कहा कि सच कहूँ तो, हम इसे थोड़ा और कम करने जा रहे हैं। हम इसे लगभग सही स्तर पर ले आए हैं। अलग–अलग चीज़ों की कीमतें कम हो रही हैं। उन्होंने निवेश प्रवाह और टैरिफ से उत्पन्न राजस्व को आर्थिक लचीलेपन के संकेतक के रूप में इंगित किया और तर्क दिया कि उनके राष्ट्रपति बनने से पहले देश को गंभीर जोखिमों का सामना करना पड़ा था। शायद आपका देश दिवालिया हो जाता। आप बहुत भाग्यशाली हैं कि मैं वह चुनाव जीत गया, मैं आपको बता रहा हूँ। ट्रम्प ने फिर से बाइडेन की आलोचना की। यह तर्क देते हुए कि पिछले प्रशासन के दौरान मूल्य स्तर इतनी तेज़ी से बढ़े थे कि हालिया गिरावट के बावजूद अमेरिकी नाखुश हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

विवादित समुद्री हिस्से में रसद पहुंचा रही थी फिलीपींस की सेना, चीन ने बाधित किया संचार

मनीला। दक्षिण चीन सागर के लंबे समय से विवादित जलमग्न हिस्से पर फिलीपींस ने खाद्य सामग्री, ईंधन और नए कर्मियों को पहुंचाया। इसी दौरान चीन के सरकारी जहाजों ने घंटों चलने वाले इस मिशन के दौरान संचार को बाधित किया। फिलीपींस के दो शीर्ष अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फिलीपींस की सशस्त्र सेना ने शुक्रवार को इस्केंड थॉमस शोल्स पर सामान और नौसेना के नए कर्मियों को पहुंचाया। अधिकारियों ने कहा कि चीन तटरक्षक और अन्य जहाजों की मौजूदगी के बावजूद यह आपूर्ति बिना किसी अप्रिय घटना के सफलतापूर्वक पूरी हुई। ये चीनी जहाज वर्षों से इस उथले समुद्री इलाके के आसपास तैनात रहते हैं।

पहले भी फिलीपींस को

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।